9 नवंबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

मतगणना को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम और एसपी ने स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग स्थल का किया संयुक्त निरीक्षण 2

एम्स और रोजगार नहीं तो सिर्फ धर्म की बात क्यों : प्रियंका

एजेंसी। पूर्णिया

चुनावी रणभेदी के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को पूर्णिया में महागठबंधन के उम्मीदवारों सदर से जितेंद्र कुमार और कसबा से इरफान आलम , धमदाहा संतोष कुशवाहा और बनमनखी के उम्मीदवार के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और एनडीए गठबंधन पर तीखे हमले किए, उन्हें विकास, रोजगार और किसानों के मुद्दों पर विफल बताया। जनता को संबोधित करते हुए प्रियंका ने भावनात्मक अपील की और उनसे धर्म और जाति के बजाय रोटी, कपड़ा और मकान की राजनीति को चुनने का आह्वान किया। प्रियंका गांधी ने अपने भाषण

की शुरूआत में ही पूर्णिया को अस्पताल और एम्स न मिलने का मुद्दा उठाया और पूछा कि जब जनता बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रही है, तो नेता सिर्फ धर्म की बात क्यों कर रहे हैं। उन्होंने किसानों की कर्जमाफी के वादे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को घेरा है। कहा मोदी जी ने कहा था आपके कर्ज माफ किए जाएंगे, मगर आज तक किसानों के कर्ज माफ नहीं किए गए। कर्ज माफ हुए तो अडानी और अंबानी के, उनके कर्ज माफ होते हैं जिनके पास पहले से हजारों करोड़ रुपए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को मक्का और मखाना का न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा। खाद की कालाबाजारी, महंगी जीएसटी और कोल्ड स्टोरेज की कमी से बिहार की खेती बर्बाद हो रही है।

65 लाख बिहारियों के नाम वोटर लिस्ट से काट

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि 65 लाख बिहारियों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं, जो दशार्ता है कि वोटों की चोरी हो रही है क्योंकि अब घबराहट हो रही है। प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों को झूठा राष्ट्रवाद करार दिया और चुनाव के समय 10 हजार देने की घोषणा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 10 साल से कुछ नहीं किया, अपराध तीन गुना बढ़ा है। अब चुनाव आ रहा है तो महिलाओं के वोट के लिए 10,000 पकड़ा रहे। यह सम्मान नहीं, यह नियत को भ्रष्ट करने की कोशिश है ।जनता को नियत पहचानकर वोट करने की अपील करते हुए प्रियंका गांधी ने जोर देकर कहा कि महागठबंधन की सरकार ने बिहार के हर वर्ग के लिए एक व्यापक एजेंडा तैयार किया है। महागठबंधन का प्रमुख वादा में महिला सशक्तीकरणहर महीने 25,000 महिलाओं के खाते में डाले जाएंगे। भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल जमीन और स्थाई रोजगार (30,000 प्रतिमाह)। विधवा माताओं को रुपए 1500 पेंशन मिलेगा, जिसे हर साल 200 रुपए बढ़ाया जाएगा। महिलाओं के लिए हर अनुमंडल में कॉलेज या पाठशाला बनाई जाएगी। पेपर लीक के खिलाफ सबसे सख्त कार्रवाई। परीक्षा फॉर्म निशुल्क होगा और आने-जाने का खर्च सरकार उठाएगी। हर विधानसभा में स्थानीय उद्योगों के लिए 10 करोड़ अलग से दिए जाएंगे। नौजवानों को छोटा कारोबार शुरू करने के लिए 2,00,000 की सहायता दी जाएगी। प्रियंका गांधी ने वादा किया कि उनकी सरकार अडानी को 1 प्रति एकड़ पर दी गई जमीन के बजाय 2000 एकड़ जमीन युवाओं के लिए शिक्षण संस्थानों और स्थानीय उद्योग लगवाने के लिए रखेगी ।सभा के अंत में उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वह अपना भविष्य बनाने के लिए जागे और धर्म या जाति के नाम पर नहीं, बल्कि अपने काम करने वाले के लिए वोट करे। इस दौरान राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट, सांसद पप्पू यादव सहित अन्य मौजूद थे।

त्रिपुरा में संदिग्ध पशु तस्करों के हमले में पांच बीएसएफ जवान घायल

एजेंसी। सिपाहीजला

त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में शुक्रवार शाम संदिग्ध पशु तस्करों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला कर दिया, जिसमें पांच जवान घायल हो गएहमलावरों ने बीएसएफ की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। यह घटना भारत-बांग्लादेश सीमा के पास बिशालगढ़-कामठाना रोड पर हुई। पुलिस के अनुसार, बीएसएफ के जवान कामठाना बॉर्डर चौकी पर तैनात थे। उन्होंने एक संदिग्ध वाहन को रुकने का संकेत दिया, लेकिन वाहन तेजी से आगे बढ़ गया और एक स्थानीय पशु हाट की ओर भाग गया। मामले में बिशालगढ़ थाने के प्रभारी अधिकारी बिकाश दास ने बताया, 'बीएसएफ कर्मियों ने वाहन का पीछा करते हुए हाट तक पहुंचने की कोशिश की। वहां जवानों और पशु तस्करों के बीच बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान तस्करों ने जवानों पर हमला कर दिया और उनकी गाड़ी को तोड़ दिया। पशु तस्करों के हमले में पांच बीएसएफ जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में शिकायत दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारी को यह कहते सुना गया कि 'हमले के दौरान कोई भी स्थानीय व्यक्ति बीच-बचाव के लिए आगे नहीं आया।' फिलहाल, घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बिहार में एनडीए की जीत विकास और समृद्धि की राह खोलेगी : पीएम मोदी

- सत्याग्रह की इस पवित्र भूमि को गुंडों और डकैतों के अड्डे में बदला गया था

एजेंसी। बेतिया

बेतिया में चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद और कांग्रेस पर तीखा वार किया। उन्होंने कहा कि बेतिया और चंपारण ने राजद-कांग्रेस के शासन का सबसे बुरा दौर देखा है। उन्होंने सत्याग्रह की इस पवित्र भूमि को गुंडों और डकैतों के अड्डे में बदल दिया था। उस समय लगभग हर दिन हत्याएं होती थीं बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले फेज की वोटिंग हो गई। वहीं पहले फेज की वोटिंग के बाद अब सबकी नजर दूसरे चरण के मतदान पर हैं। वहीं दूसरे चरण के प्रचार के क्रम में पीएम मोदी ने बिहार के बेतिया में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी महागठबंधन विशेष राजद पर हमले किए। पहले चरण के चुनाव में रिकार्ड मतदान को उन्होंने एनडीए के पक्ष में करार देते हुए कहा कि जनता ने राजद को 65 वोल्ट का झटका दिया है।

पीएम मोदी का राजद पर तीखा हमला

बेतिया में चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मैंने राजद की एक रैली का वीडियो देखा, जिसमें मीडिया के लोग एक बच्चे से पूछ रहे थे कि वह रैली में क्यों आया है। बच्चे ने बड़े गर्व से कहा कि राजद रंगदार बनाता है और वह बड़ा होकर रंगदार बनना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम बिहार में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं ताकि बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ें, लेकिन राजद बच्चों को गलत दिशा में ले जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह चुनाव सिर्फ राजद या महागठबंधन को हराने का नहीं, बल्कि उस सोच को हराने का है जो राज्य के युवाओं के दिल में नफरत और अपराध की भावना पैदा कर रही है। बेतिया में चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद और कांग्रेस पर तीखा वार किया। उन्होंने कहा, ़बेतिया और चंपारण ने राजद-कांग्रेस के शासन का सबसे बुरा दौर देखा है। उन्होंने सत्याग्रह की इस पवित्र भूमि को गुंडों और डकैतों के अड्डे में बदल दिया था। उस समय लगभग हर दिन हत्याएं होती थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं यह सब इसलिए याद दिला रहा हूं क्योंकि जब कानून का राज खत्म हो जाता है, तो सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों और पिछड़े वर्गों को होता है। जहां कट्टे और रंगदारी का राज चलता है, वहां युवाओं के सपने दम तोड़ देते हैं। जहां गुंडाराज होता है, वहां व्यापार और विकास रुक जाता है ़ उन्होंने आगे कहा, ़बिहार को फिर से जंगलराज में लौटने से बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है ़बेतिया में अपनी चुनावी रैली के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चुनाव के पहले चरण में, आपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आपने आजादी के बाद

मुजफ्फरनगर में स्कूटी का कटा 20 लाख 74 हजार का चालान

एजेंसी। मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, पुलिस ने एक स्कूटी का हजार या दो हजार नहीं बल्कि 20 लाख 74000 का चालान किया। पुलिस की तरफ से मिले इस चालान ने वाहन स्वामी को भी हैरत में डाल दिया। दरअसल, यह विवादित चालान जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस विभाग ने आनन-फानन में अपनी गलती ठीक की और चालान की राशि को घटाकर 4 हजार रुपये किया। दरअसल, 4 नवंबर को नई मंडी कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधी कॉलोनी चैकी पर एक स्कूटी सवार अनमोल सिंघल का 20,74, 000 रुपये का चालान किया गया था। इस चालान में ये हवाला दिया गया था कि स्कूटी सवार ने ना तो हेलमेट लगाया हुआ था, ना उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस था और ना ही स्कूटी के कागज थे. इसी के चलते पुलिस ने चालान काटने के बाद स्कूटी को दिया था। हालांकि, वाहन मालिक अनमोल सिंघल को जब स्कूटी का 20 लाख 74 हजार रुपये चालान मिला तो वह हैरत में पड़ गए। इसके बाद उन्होंने इस भारी भरकम चालान की जानकारी सोशल मीडिया पर डाली जिसके बाद पुलिस विभाग की जमकर फजीहत हुई। तो गलती सुधारी गई। पुलिस विभाग ने चालान की राशि ठीक कर उसे 4 हजार रुपये किया गया।

लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार शाम को वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी को एक्स पर उन्हें जन्मदिन पर बधाई दी थी। आडवाणी शनिवार को 98 वर्ष के हो गए हैं। उन्हें इस वर्ष भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, महान दृष्टिकोण और तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता वाले राजनेता आडवाणी जी का जीवन भारत की प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने निस्वार्थ कर्तव्य और दृढ़ सिद्धांतों की भावना को सदैव अपनाया। उनके योगदान ने भारत के लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु प्रदान करे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी। शाह ने लिखा, "भाजपा के संस्थापक सदस्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और करोड़ों कार्यकताओं के प्रेरणास्त्रोत, 'भारत रत्न' लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आडवाणी ने यह बताया है कि कैसे निस्वार्थ भाव से पूरा जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित किया जाता है। संगठन से लेकर सरकार तक, उनके हर दायित्व का एक ही लक्ष्य रहा है - राष्ट्र प्रथम। उन्होंने आगे लिखा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को गांवों की चौपालों से लेकर महानगरों तक पहुंचाया और गृह मंत्री के रूप में देश की सुरक्षा को सुदृढ़ किया। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में भी उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई और रथ यात्रा निकालकर पूरे देश में जनजागरण किया। ईश्वर से उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

एशिया का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक पशु मेला, देश-विदेश से सैलानियों का आना शुरू

विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेला का उद्घाटन आज

एजेंसी। सारण

सारण के सोनपुर में गंगा और गंडक के संगम तट पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला की शुरूआत कल से होने वाली है। 9 नवम्बर को प्रमंडलीय आयुक्त राजीव रोशन शाम 5 बजे मेले का उद्घाटन करेंगे। सोनपुर मेला एक महीने तक 10 दिसंबर तक चलेगा। उद्घाटन के मौके पर सारण प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक निलेश कुमार, डीएम अमन समीर, एसएसपी डॉ. कुमार आशीष सहित कई अधिकारी मौजूद

रहेंगे। एशिया का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक पशु मेला कल से पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। प्रशासन की ओर से 9 नवंबर को इसका उद्घाटन किया जाएगा। सोनपुर मेले की तैयारियां पूरी कर ली गयी है। जैसे ही इस बात का पता लोगों को हुई कि 9 नवम्बर को इसका उद्घाटन होगा। लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस मेले का इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे थे। हर साल की तरह इस बार भी मेला में पशुओं की खरीद-बिक्री, मनोरंजन, धार्मिक आयोजन और व्यापारिक गतिविधियों की धूम मचने वाली है। विभिन्न जिलों से व्यापारी अपने-अपने मवेशियों को लेकर पहुंच रहे हैं, तरह-तरह के पशुओं और पक्षियों की बिक्री के लिए बाजार सज चुका है। वही बड़े-बड़े झूले, सर्कस, थियेटर, जलपरी शो और मौत का कुआं भी लगाया गया है। बता दें कि पहले सोनपुर मेले का उद्घाटन 6 नवंबर को होना था लेकिन चुनाव की वजह से उद्घाटन की तिथि 3 दिन आगे बढ़ा दी गई। अब 9 नबंवर को सोनपुर मेले का उद्घाटन होगा। सिर्फ बिहार के अन्य जिलों से ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बंगाल से भी व्यापारी और पशु प्रेमी सोनपुर मेला में आते हैं। यहां घोड़ों के अलावे गाय, भैंस, बैल, कुत्ते, बिल्ली और दूसरे पशुओं की भी बिक्री होती है। सोनपुर मेंले में श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों की झलक भी देखने को मिलेगी।

चुनाव बाद भी सोशल मीडिया पर गर्मा रही सियासत, समर्थकों की बयानबाजी से बिगड़ रहा माहौल

- प्रत्याशियों की जीत के दावे और हार पर तंज, मयार्दा–मानक भूल रहे समर्थक
- विवादित पोस्ट और जातिसूचक टिप्पणियों से सोशल मीडिया हुआ अशांत, प्रशासन से सख्ती की मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

विधानसभा चुनाव संपन्न हुए तीन दिन बीत चुके हैं, मगर चुनावी तापमान अब भी सोशल मीडिया पर कम होने का नाम नहीं ले रहा। मतदान समाप्त होने के बाद भी सभी राजनीतिक दलों के समर्थक अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत के दावे सोशल मीडिया पर लगातार कर रहे हैं। इस दौरान चुनाव आचार संहिता और मयार्दा की रेखा को ताक पर रखकर समर्थकों द्वारा की जा रही अनर्गल बयानबाजी माहौल को तनावपूर्ण बना रही है। फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर) और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म पर समर्थक न केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बना रहे हैं, बल्कि कई जगह जातिसूचक शब्दों और भड़काऊ टिप्पणियों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

सोशल मीडिया बना वर्चुअल अखाड़ा

चुनाव खत्म होते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक तरह से वर्चुअल अखाड़े में तब्दील हो गए हैं। कोई अपनी पार्टी या प्रत्याशी की बढ़त का दावा कर रहा है, तो कोई प्रतिद्वंद्वियों की हार सुनिश्चित बताकर तंज कस रहा है। ऐसी पोस्टों के नीचे शुरू हो रही कमेंट वार से स्थिति और भड़क रही है। लोग अब इन विवादित पोस्टों से बचने के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाना शुरू कर रहे हैं।

बुद्धिजीवियों ने जताई चिंता, कहा : रोक जरूरी

शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि, सामाजिक कार्यकर्ता संजय दयाल और प्रगतिशील लेखक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. बीएल प्रवीण ने कहा कि सोशल मीडिया संवाद और सूचना का सशक्त माध्यम है, लेकिन कुछ लोग इसका दुरुपयोग कर समाज में वैमनस्य फैलाने का काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस तरह की बयानबाजी से समाज में कटुता फैलती है और लोकतांत्रिक संवाद की मयार्दा भंग होती है। बुद्धिजीवियों ने जिला प्रशासन से सोशल मीडिया पर चल रहे इस ह्लअघोषित डिजिटल युद्धह्व पर रोक लगाने की मांग की है, ताकि सभ्य लोग भी निर्भय होकर अपने विचार रख सकें।

नियम तो बने, लेकिन पालन कमजोर

विशेषज्ञों का कहना है कि निर्वाचन आयोग और सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर आचार संहिता के पालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। चुनाव के दौरान प्रत्येक जिले में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल भी गठित की गई थी, लेकिन मतदान संपन्न होने के बाद निगरानी में ढिलाई आ गई है। इसी का फायदा उठाकर समर्थक मनमाने ढंग से भड़काऊ और अमर्यादित पोस्ट डाल रहे हैं।

समाज में फैल सकता है तनाव

चुनाव परिणाम से पहले इस तरह के उत्तेजक पोस्ट और दावे सामाजिक सद्भाव को प्रभावित कर सकते हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जिला स्तर पर कुछ संवेदनशील पोस्टों की निगरानी की जा रही है, परंतु अब तक किसी पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

लोगों की अपील, संयम रखें समर्थक

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है, परंतु चुनाव बाद भी बयानबाजी जारी रखना समाज में अनावश्यक तनाव पैदा करता है। लोगों ने समर्थकों से संयम बरतने और परिणाम घोषित होने तक धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

सुरक्षा व्यवस्था, बिजली-पानी, बैरिकेडिंग से लेकर मीडिया जोन तक सभी तैयारियों की ली गई बारीकी से समीक्षा

मतगणना को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम और एसपी ने स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग स्थल का किया संयुक्त निरीक्षण

- पारदर्शी और निष्पक्ष मतगणना को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी 14 नवम्बर को होने वाली विधानसभा मतगणना को लेकर बक्सर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं एसपी शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से स्ट्रॉन्ग रूम (वज्र गृह) और मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा, सुविधा और व्यवस्थाओं से जुड़े हर बिंदु की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में सबसे पहले अधिकारियों ने वज्र गृह का जायजा लिया। यहां लागू सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास नियंत्रण, तैनात बल की संख्या और निगरानी प्रोटोकॉल की विस्तार से समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिया कि वज्र गृह की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाए और हर गतिविधि का रिकॉर्ड लॉग मेंटेन किया जाए। एसपी ने संवेदनशील बिंदुओं पर गश्ती दल की संख्या बढ़ाने और सुरक्षा घेरा को और मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मतगणना तक सुरक्षा बलों की तैनाती में निरंतर सतर्कता बनाए रखी जाएगी ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। डीएम एवं एसपी ने हॉल की बनावट, टेबल व्यवस्था, मीडिया जोन की सीमांकन, ट्रैफिक एवं आवाजाही नियंत्रण, अग्निशमन सुरक्षा, बैरिकेडिंग, बिजली और पानी की आपूर्ति की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया। डीएम ने कहा कि मतगणना दिवस तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से सक्रिय रहें और सभी कार्य मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप पूरे किए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन द्वारा मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण पहले ही संपन्न करा लिया गया है, ताकि गणना के दिन कार्य सुचारू और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके।

जिम्मेदारियों का हुआ स्पष्ट आवंटन

निरीक्षण के दौरान विभागीय कार्यों की समीक्षा के साथ ही जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा भी किया गया। विद्युत कार्यपालक अभियंता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति और डीजल जनरेटर बैकअप की तैयारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को हॉल की संरचना, टेबल व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग के कार्यों की देखरेख करनी है। एजन स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) के कार्यपालक अभियंता को पेयजल एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था बनाए रखने का दायित्व दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर को मतगणना से संबंधित सभी लॉजिस्टिक समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) को सुरक्षा परतों की निगरानी और गश्त व्यवस्था के पर्यवेक्षण का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीवाईईओ) को मतगणना प्रक्रिया के दौरान एसओपी अनुपालन की निगरानी करनी है तथा कोषागार पदाधिकारी को वज्र गृह के अभिलेख और अभिरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करना है। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन पदाधिकारी, वरिष्ठ कोषागार पदाधिकारी, विद्युत, भवन एवं पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता, एसडीएम और एसडीपीओ बक्सर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन पारदर्शिता, निष्पक्षता और कड़ी सुरक्षा के साथ मतगणना प्रक्रिया संपन्न कराने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आम जनता एवं राजनीतिक दलों से भी सहयोग की अपील की ताकि मतगणना का कार्य शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से पूरा किया जा सके।

सोवा में दिव्यांग पर हमला, मारपीट व लूटपाट के लगाए आरोप, चार नामजद

केटी न्यूज/डुमरांव

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के सोवा गांव में शुक्रवार की सुबह एक दिव्यांग युवक पर हुए हमले से पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। परंपरागत रूप से मिट्टी के बर्तन बनाने वाले दिनेश कुमार प्रजापति, पिता दरोगा कुम्हार पर गांव के ही चार लोगों ने उस वक्त हमला कर दिया, जब वह अपने रोजमर्रा के काम में व्यस्त थे।

पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने न केवल उसकी बेरहमी से पिटाई की, बल्कि गले से सोने का लॉकेट और करीब ढाई हजार रुपये नकद भी लूट लिए। शनिवार को घायल दिनेश कुमार ने कृष्णाब्रह्म थाना पहुंचकर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।घटना की जानकारी मिलते ही दिव्यांग संघ के सदस्यों ने थाने पहुंचकर आक्रोश जताया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। संघ के सदस्यों का कहना है कि दिव्यांगों के साथ इस तरह की हिंसक घटनाएं समाज पर कलंक हैं और प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है और पुलिस सतर्कता बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

डुमरांव नगर परिषद को मिले दो नए सेप्टिक टैंक, सफाई व्यवस्था में आएगी तेजी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगर परिषद को दो नए सेप्टिक टैंक संसाधन प्राप्त हुए हैं, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है। नगर कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने शनिवार को बताया कि नए संसाधन मिलने से नगर परिषद को सफाई कार्यों में आ रही दिक्कतों से राहत मिलेगी और अब सभी वार्डों में सफाई का कार्य सुचारू रूप से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र के विस्तार और बढ़ती जनसंख्या के कारण पुराने संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया था। इस

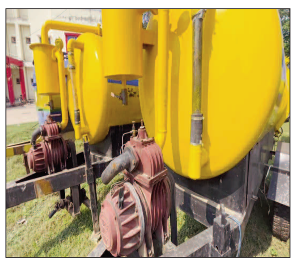

वजह से कई वार्डों में सेप्टिक टैंक की सफाई में विलंब हो रहा था। उन्होंने बताया कि नए टैंक मिलने से अब किसी भी वार्ड में सफाई कार्य बाधित नहीं होगा। नगर परिषद ने तय किया है कि इन संसाधनों का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा, ताकि गंदगी और जलजमाव की स्थिति नहीं बनने पाए। नगर प्रशासन का कहना है कि स्वच्छता मिशन के तहत शहर को साफ-सुथरा और रहने योग्य बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, नागरिकों ने नगर परिषद की इस पहल का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि नए टैंक मिलने से सफाई कार्यों में निश्चित रूप से तेजी आएगी, लेकिन इसके साथ ही नगर परिषद को नियमित निगरानी भी रखनी चाहिए ताकि सफाई व्यवस्था में निरंतरता बनी रहे। नगर कार्यपालक पदाधिकारी ने लोगों से अपील की कि वे भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें और नालियों व सड़कों पर गंदगी फैलाने से बचें। नगर परिषद ने भरोसा जताया है कि नए संसाधनों से डुमरांव को स्वच्छ नगर के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

ऐतिहासिक पंचकोशी परिक्रमा की तैयारी पूर्ण जिला प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में आस्था और लोक परंपरा का प्रतीक ऐतिहासिक पंचकोशी परिक्रमा 9 नवम्बर से 13 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी। इस धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं ताकि यह आयोजन शांतिपूर्ण, स्वच्छ और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। मॉडल आचार संहिता लागू होने के कारण प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस धार्मिक आयोजन में किसी भी प्रकार का राजनीतिक प्रचार, पोस्टर, झंडा, नारा या मंचन नहीं किया जाएगा। पूरा कार्यक्रम केवल धार्मिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक स्वरूप में आयोजित होगा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि पूरे परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता, सफाई और कचरा निष्पादन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी कार्यपालक पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में समय पर सौंदर्यीकरण और सफाई कार्य पूरा करें। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, चिकित्सीय सहायता, एम्बुलेंस और आपातकालीन दल को सक्रिय रखा जाएगा। अंतिम दिन सामूहिक लिट्टी-चोखा स्थल की विशेष निगरानी की व्यवस्था होगी।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग, नियंत्रित प्रवेश-निकास व्यवस्था और सतत निगरानी के निर्देश दिए हैं। परिक्रमा मार्ग पर पैदल दल, गश्ती टीम और नाका जांच दल सक्रिय रहेंगे। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से लगातार निगरानी रखी जाएगी, जबकि यातायात को नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक यातायात योजना लागू की जाएगी। पंचकोशी परिक्रमा का मार्ग अहिरौली, नदांव, भभुआर, बड़का नुआंव और चरित्रवन तक विस्तृत है। मान्यता है कि इसी मार्ग पर प्रभु श्रीराम ने तप और साधना कर लोकधर्म की स्थापना की थी। अंतिम दिन सामूहिक लिट्टी-चोखा का आयोजन लोक-एकता और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अनुशासन, शांति और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है ताकि यह पावन पर्व श्रद्धा और गरिमा के साथ सम्पन्न हो सके।

उर्वरक की कालाबजारी रोकने के लिए बक्सर में नियंत्रण कक्ष स्थापित

- **टोल फ्री नंबर 8210704121 व 9473081675 पर दर्ज की जा सकेगी शिकायतें**

केटी न्यूज/बक्सर

रबी मौसम 2025 में किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कृषि पदाधिकारी, बक्सर द्वारा विशेष कदम उठाया गया है। कृषि निदेशालय, बिहार, पटना के कार्यालय आदेश (ज्ञापांक 5603 दिनांक 31 अक्टूबर 2025) के आलोक में बक्सर जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था की निगरानी हेतु नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना की गई है। यह नियंत्रण कक्ष संयुक्त कृषि भवन, बक्सर में कार्यरत रहेगा।

नियंत्रण कक्ष का संचालन सहायक निदेशक (शस्य) प्रक्षेत्र, श्री शालीग्राम सिंह के नियंत्रण में किया जाएगा। इस कक्ष में किसानों एवं आम उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए दो संपर्क नंबर जारी किए गए हैं – टोल फ्री नंबर 8210704121 एवं मोबाइल नंबर 9473081675। इन नंबरों पर कोई भी व्यक्ति उर्वरक से संबंधित समस्या या शिकायत दर्ज करा सकता है।

नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों को एक निर्धारित पंजी में दर्ज किया जाएगा और उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। इस नियंत्रण कक्ष में कार्य सुचारू रूप से संपादित करने के लिए जिला कृषि कार्यालय, बक्सर के सहायक श्री राकेश कुमार एवं परिचारी श्री सुमित कुमार पाण्डेय को प्रतिनियुक्त किया गया है। ये दोनों अधिकारी प्रभारी अधिकारी की सहायता में रहकर शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को गति प्रदान करेंगे।

जिला कृषि पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, नियंत्रण कक्ष का मुख्य उद्देश्य उर्वरकों की कालाबजारी, जमाखोरी, मुनाफाखोरी तथा अधिक मूल्य पर बिक्री जैसी अवैध गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण रखना है। यदि किसी दुकान या विक्रेता द्वारा किसानों से निर्धारित दर से अधिक मूल्य वसूला जाता है या उर्वरक की कृत्रिम कमी पैदा की जाती है, तो उसकी शिकायत सीधे नियंत्रण कक्ष में दर्ज कराई जा सकती है।

कृषि विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नियंत्रण कक्ष में दर्ज प्रत्येक शिकायत का निष्पादन समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

इस पहल से जिले में उर्वरकों की उपलब्धता सुचारू रखने, किसानों को राहत पहुंचाने और बाजार में पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलेगी। कृषि विभाग का कहना है कि रबी सीजन में उर्वरक की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में नियंत्रण कक्ष की सक्रियता किसानों को काफी राहत प्रदान करेगी।

किसानों से अपील की गई है कि यदि उन्हें कहीं भी उर्वरक की कमी, अधिक दर पर बिक्री या जमाखोरी की जानकारी मिलती है तो तुरंत टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर सूचना दें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। इससे जिले में निष्पक्ष व व्यवस्थित उर्वरक वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री की सभा के बाद नहीं हटाया गया बांस-बल्ला और ईंट, बारिश के बाद पसरा कीचड़

बदहाल पड़ा राज हाई स्कूल का ऐतिहासिक खेल मैदान, खिलाड़ियों का अभ्यास ठप

- **युवाओं में गुस्सा, कहा मैदान को खेलने लायक बनाएं प्रशासन**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव का राज हाई स्कूल खेल मैदान, जो कभी जिले के खेल गतिविधियों का केंद्र हुआ करता था, आज बदहाली की मार झेल रहा है। बारिश और सरकारी लापरवाही ने इस ऐतिहासिक मैदान की सूरत बिगाड़ दी है। छठ पर्व के बाद आए मोंथा तूफान के दौरान लगातार तीन-चार दिनों तक झमाझम बारिश हुई थी, जिससे मैदान में पानी भर गया। तब से अब तक यहां कीचड़ पसरा हुआ है। हालात यह हैं कि खिलाड़ी अभ्यास नहीं कर पा रहे और स्थानीय लोग भी सुबह-शाम टहलने से परहेज कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री की सभा बनी मैदान की बदहाली की वजह

जानकारी के अनुसार, हाल ही में इसी मैदान में मुख्यमंत्री की चुनावी सभा आयोजित की गई थी। सभा के दौरान हेलीकॉप्टर लैंडिंग के लिए हेलीपैड बनाया गया था, जिसके लिए मैदान में ईंटें बिछाई गई थीं। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के तहत मैदान की चारों ओर बांस-बल्लों से बैरेकेडिंग की गई थी। लेकिन चुनावी सभा समाप्त होने के बाद प्रशासन की लापरवाही से इन ईंटों और बैरेकेडिंग को अब तक नहीं हटाया गया है। नतीजतन, मैदान की एक ओर ईंट के टुकड़े बिखरे पड़े हैं तो दूसरी ओर बांस-बल्लों की कतारें खड़ी हैं, जिससे खेलकूद और दौड़ने का अभ्यास लगभग असंभव हो गया है।

जिले का सबसे बड़ा खेल मैदान हुआ उपेक्षा का शिकार

राज हाई स्कूल का यह मैदान जिले का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक खेल मैदान माना जाता है। हर दिन यहां सैकड़ों खिलाड़ी क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेलों का अभ्यास करते थे। सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए भी यह मैदान प्रमुख अभ्यास स्थल था। लेकिन मैदान की वर्तमान स्थिति देखकर युवाओं में आक्रोश है। उनका कहना है कि राज्य सरकार जहां खेलो इंडिया जैसी योजनाओं से खेलों को बढ़ावा दे रही है, वहीं स्थानीय प्रशासन की लापरवाही से यह मैदान बेकार पड़ा है।

मैदान में बनी कच्ची नाली बनी मुसीबत

बारिश के बाद मैदान की जलनिकासी के लिए बीचो-बीच एक कच्ची नाली खोद दी गई थी। लेकिन यह नाली अब खुद मैदान के लिए समस्या बन चुकी है। शनिवार को इसी कच्ची नाली में एक खाली पिकअप फंस गया, जिसे निकालने में चालक को काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही नाली को समतल नहीं किया गया, तो मैदान की जमीन पूरी तरह असमान हो जाएगी और इसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा।

शहरवासियों और खिलाड़ियों में नाराजगी

शहरवासी भी मैदान की बदहाली से नाराज हैं। उनका कहना है कि हर सुबह हम लोग इस मैदान में मार्निंग वॉक करने आते थे, शाम में टहलते थे, लेकिन अब कीचड़ और अव्यवस्था के कारण आना बंद कर दिया है। वहीं खिलाड़ियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द मैदान की साफ-सफाई कर, बांस-बल्लों और ईंटों को हटाया जाए ताकि मैदान फिर से खेलने योग्य बन सके।

कभी इस मैदान से चमकी थी कई खिलाड़ियों की किस्मत

यह वही मैदान है, जिसने कई खिलाड़ियों की किस्मत बदली है। क्रिकेट, फुटबॉल और एथलेटिक्स में यहां से निकलकर कई युवा जिले का नाम रौशन कर चुके हैं। खास बात यह है कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी अपने शुरूआती दिनों में इस मैदान में चौके-छक्के लगाए थे। ऐसे में इस मैदान का ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व दोनों है।

स्टेडियम निर्माण की योजना भी अधर में

राज्य सरकार की योजना के तहत इस मैदान का चयन स्टेडियम निर्माण के लिए किया गया था। इसके लिए फंड भी जारी हुआ था, लेकिन भूमि से जुड़ी कुछ अड़चनों के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। इसके बावजूद यह मैदान वर्षों से युवाओं के लिए खेल और फिटनेस का केंद्र बना हुआ था। आज इसकी जर्जर स्थिति देखकर हर कोई निराश है।

खिलाड़ियों ने की हस्तक्षेप की मांग

खिलाड़ियों और स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि मैदान में फैले कीचड़, बांस-बल्ला और ईंटों को जल्द हटाया जाए। साथ ही मैदान को समतल कर पुनः खेलने लायक बनाया जाए, ताकि युवा अपनी दिनचर्या और अभ्यास दोबारा शुरू कर सकें। लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र कदम नहीं उठाए गए तो यह ऐतिहासिक मैदान धीरे-धीरे अपनी पहचान खो देगा। स्थानीय खेल प्रेमी गोपाल प्रसाद गुप्ता का कहना है कि राज हाई स्कूल का मैदान सिर्फ खेल का स्थान नहीं, बल्कि डुमरांव की पहचान है। इसे बचाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

एक नजर

चक्रवाती तूफान में रबी फसल बबार्दी को लेकर किसानों मांगा गया रिपोर्ट

डुमरांव। बिते दिनों राज्य में आए चक्रवाती तूफान ने काफी तबही मचाया था, जिसमें किसानों की खड़ी फसल बर्बाद हो गई थी। किसान सरकार की तरफ टकटकी लगाए हुए थे कि फसल बबार्दी को लेकर उसकी तरफ से राहत की घोषणा की जाएगी। सरकार की तरफ से फसल क्षतिपूर्ति को लेकर किसानों से रिपोर्ट मांगा गया है। किसान अपनी तरफ से रिपोर्ट भेज रहे हैं, जिसे सुरक्षित विभाग को भेजने के लिये रखी जा रही है। मालूम हो कि डुमरांव प्रखंड कार्यालय में कुल 12 हजार 500 हेक्टेयर में धान की खेती हुई है। किसानों का कहना है कि दो हेक्टेयर में खड़ी धान की फसल बर्बाद हुई है। उस बर्बाद फसल के क्षतिपूर्ति के लिये किसान सरकार से मिलने की आस लगाए हुए थे। क्षतिपूर्ति मिलने की घोषणा होते ही किसानों में खुशी है। फिर कृषि विभाग के पास जो क्षतिपूर्ति हुई है, उसका आवेदन देना होगा। ऐसे में किसानों के द्वारा आवेदन देने का काम शुरू कर दिया गया है।

मच्छरों के प्रकोप से नगरवासी परेशान नहीं हो रहा दवा का छिड़काव

डुमरांव। शहर में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे नगरवासियों की परेशानी बढ़ गई है। इतना ही नहीं मच्छरों काटने से लोग बीमार पड़ इलाज करा रहे हैं। इससे ज्यादा प्रभावित छोटे बच्चे हैं, मच्छरों के काटने से बुखार से पीड़ित हो जा रहे हैं। इधर नप के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। मालूम हो कि नप के पास फॉगिंग मशीन होने के बाद भी उसका उपयोग नहीं किया जा रहा है, जिसे लेकर नगरवासियों में आक्रोश है।

आज से शुरू होगा ऐतिहासिक पंचकोशी परिक्रमा, पहले दिन अहिरौली में होगा पड़ाव

बक्सर। ऐतिहासिक पंचकोशी परिक्रमा रविवार से शुरू हो रही है। इसको लेकर पंचकोशी परिक्रमा समिति व जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। बता दें कि इस पौराणिक परंपरा की शुरूआत त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने की थी। तब बक्सर में महर्षि विश्वामित्र के यज्ञ को सफल बनाने तथा ताड़का आदि राक्षसो का वध करने के बाद महर्षि विश्वामित्र व अपने अनुज लक्ष्मण के साथ बक्सर के आस पास में स्थित ऋषि-मुनियों के आश्रम पहुंच उनका आशीर्वाद लिया था। उजानकारी के अनुसार पंचकोशी परिक्रमा की शुरूआत रविवार को प्रसिद्ध रामरेखा घाट से होगी। पहले दिन श्रद्धालुओं का जत्था अहिरौली स्थित अहिल्या धाम पहुंचेगा, जहां परंपरा के तहत पकवान का प्रसाद ग्रहण कर श्रद्धालु रात्रि विश्राम करेंगे। यहां से सोमवार को नदांव स्थित महर्षि नारदमुनी के आश्रम में पड़ाव होगा, यहां खिचड़ी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है। तीसरे दिन मंगलवार को यह जत्था भार्गव ऋषि के आश्रम भभुवर पहुंचेगा जहां श्रद्धालुओं को प्रासद के तौर पर चूड़ा-दही खिलाया जाएगा। जबकि चौथे दिन बुधवार को उद्यालक ऋषि के आश्रम नुआंव में मूली व सत्तू का प्रसाद ग्रहण कर श्रद्धालु रात्रि विश्राम करेंगे, जबकि पांचवे व अंतिम दिन गुरूवार को बक्सर के चरित्रवन पहुंच पंचकोशी परिक्रमा संपन्न होगी। यहां अंतिम दिन लिट्टी-चोखा बनाकर खाने की परंपरा है। इस दिन बक्सर जिले के सभी घरों में परंपरा का निर्वहन करते हुए लिट्टी चोखा ही बनाकर खाया जाता है। पंचकोशी परिक्रमा शुरू होते ही श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। पूर्व संध्या पर ही बक्सर में पंचकोशी परिक्रमा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं का जत्था पहुंच गया है। वहीं, सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु पांचों दिन इस परिक्रमा में साथ घुमेंगे। बता दें कि पंचकोशी परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि यह आस्था, एकता और समाजिक सद्भाव का प्रतीक है। पूरे मार्ग को साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के दृष्टिकोण से सजाया गया है। बड़ी संख्या में साधु-संत, महिला-पुरुष श्रद्धालु और स्थानीय समिति के कार्यकर्ता तैयारी में जुटे हैं।

खाना बनाते समय कुकर फटा, मां-बेटी गंभीर रूप से घायल, सदर अस्पताल में इलाज

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नरबतपुर गांव में शनिवार को खाना पकाते समय प्रेशर कुकर फटने से एक महिला और उसकी पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने दोनों को आनन-फानन में चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत देखते हुए सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया। घायलों की पहचान नरबतपुर निवासी धर्मेंद्र यादव की पत्नी पुष्पा देवी (40 वर्ष) और पुत्री सुंदरी कुमारी (15 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया कि घटना के वक्त पुष्पा देवी रसोई में दाल पका रही थीं। तभी अचानक कुकर तेज आवाज के साथ फट गया।

विस्फोट के कारण गर्म दाल और भाप उनके शरीर पर फैल गई, जिससे वह बुरी तरह झुलस गईं। उसी समय रसोई में मौजूद उनकी पुत्री सुंदरी भी झुलसकर घायल हो गई। परिजनों ने बताया कि पुष्पा देवी की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जबकि सुंदरी का इलाज चल रहा है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने हादसे को घरेलू सुरक्षा के प्रति लापरवाही का नतीजा बताया है और सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस मामले की जानकारी लेकर जांच में जुटी है।

बताया जाता है कि इस हादसे के बाद पूरा परिवार डरा सहमा है। वहीं, इस घटना में झुलसी मां-बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है।

रेलवे प्लेटफार्म के नवीकरण कार्य मंथर गति से, गड्ढे की खुदाई से यात्रियों को परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय रेलवे स्टेशन का नवीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। रेलवे बोर्ड के द्वारा इसके नवीकरण में 17 करोड़ से अधिक खर्च होना है। कार्य मंथर गति से होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसी ट्रेन से प्लेटफार्म पर उतरने के बाद जब ओवरब्रिज होते हुए लोग वाहन पकड़ने जाते हैं, वहीं से उनकी परेशानी शुरू हो जाती है। बुकिंग काउंटर से लेकर दुगार्मंदिर तक रोड पर ईंट का टुकड़ा डाल दिया गया है, जिससे वाहन हचकोले खाते हुए गुजरते, ऐसे में पलटने का डर बना रहता है। कईबार वाहन पलट भी गए है, जिससे यात्री घायल होकर अपने घर जाने के बजाए अस्पताल में जाते हैं। यात्रियों का कहना है कि छह माह से काम लगा हुआ है, लेकिन चार में एक भी प्लेटफार्म का निर्माण नहीं हुआ है। मालूम हो कि पहले से अप और डाउन में दो प्लेटफार्म मौजूद है, जिसका विस्तारित कर चार बनाना है। काम लगाए जाने से यात्रियों को खुशी हुई, लेकिन धीमी गति से होने के कारण लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सबसे परेशानी महिला यात्रियों को हो रही है, रोड खराब होने के कारण वे पैदल दुगार्मंदिर तक आकर वाहन पकड़ रही हैं।

रजिस्ट्री प्रक्रिया फिर पटरी पर, तकनीकी खामी से एक माह ठप रहने के बाद डुमरांव अवर निबंधन कार्यालय में कामकाज शुरू

- **ई-स्टंपिंग सिस्टम दुरुस्त होते ही गूंजा रजिस्ट्री कक्ष, राहत की सांस ले रहे कातिब और आम लोग**

केटी न्यूज/डुमरांव

लगभग एक माह तक ठप रहने के बाद आखिरकार डुमरांव अवर निबंधन कार्यालय में रजिस्ट्री प्रक्रिया शनिवार से दोबारा शुरू हो गई। ई-स्टंपिंग सिस्टम में आई तकनीकी खामी ने पिछले कई हफ्तों से पूरे कामकाज को जकड़ रखा था, जिससे न सिर्फ संपत्ति रजिस्ट्री बल्कि पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट और अन्य दस्तावेजों से जुड़े कार्य पूरी तरह से ठप हो गए थे। शनिवार को जैसे ही सिस्टम दुरुस्त हुआ, कार्यालय में रौनक लौट आई। कातिबों, दस्तावेज लेखकों और वकीलों ने राहत की सांस ली, वहीं आम नागरिकों के चेहरों पर भी सुकून झलकने लगा।

तकनीकी खामी बनी थी बड़ी परेशानी का सबब

जानकारी के अनुसार, बीते एक महीने से ई-स्टंपिंग सिस्टम के सर्वर में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण कार्यालय का बैलेंस नहीं दिखा रहा था। इस वजह से किसी भी चालान की रजिस्ट्री संभव नहीं हो पा रही थी। लगातार तकनीकी टीम और विभागीय अधिकारियों द्वारा समाधान की कोशिशें जारी थीं, लेकिन सर्वर की समस्या इतनी जटिल थी कि तत्काल सुधार नहीं हो सका। नतीजतन, हजारों की संख्या में लंबित रजिस्ट्री कार्य ठप पड़ गए।

225 लंबित रजिस्ट्री निपटाई, सोमवार से नियमित कामकाज की उम्मीद

शनिवार को तकनीकी गड़बड़ी के दूर होने के बाद सिस्टम को पुनः सक्रिय किया गया और सबसे पहले पुराने लंबित चालानों की प्रक्रिया शुरू की गई। दिनभर में कुल 225 लंबित रजिस्ट्री को निपटाया गया। कार्यालय सूत्रों के अनुसार, सोमवार से चालान जमा करने और नई रजिस्ट्री की प्रक्रिया भी सामान्य रूप से आरंभ कर दी जाएगी। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि अब आगे से कामकाज पूरी तरह निर्बाध रहेगा।

कातिबों और दस्तावेज लेखकों की लौटी मुस्कान

रजिस्ट्री कार्य ठप रहने के दौरान न केवल आम लोगों को परेशानी हुई, बल्कि इससे पेशेवरों की आजीविका पर भी गहरा असर पड़ा। कई कातिब, दस्तावेज लेखक और वकील रोजाना कार्यालय पहुंचते थे, लेकिन काम न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता था। स्थिति यह थी कि कार्यालय परिसर में दिनभर सन्नाटा पसरा रहता था। शनिवार को जैसे ही सिस्टम बहाल हुआ, पूरे परिसर में रौनक लौट आई और लोगों ने राहत भरी मुस्कान के साथ काम शुरू किया।

अब आम लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी मशक्कत

ई-स्टंपिंग सिस्टम दुरुस्त होने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि अब आम लोगों को दस्तावेजों की रजिस्ट्री कराने में किसी प्रकार की तकनीकी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ेगा। विभागीय सूत्रों का कहना है कि इस बार सर्वर की निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी दिक्कत दोबारा न आए।

डुमरांव के लोगों के लिए यह बड़ी राहत की खबर हैकृजहां एक ओर संपत्ति से जुड़े लेनदेन का मार्ग खुल गया है, वहीं दूसरी ओर पेशेवरों की रोजी-रोटी भी वापस पटरी पर लौट आई है।

72 घंटे पूर्व मतदान तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न

- सामान्य प्रेक्षकगणों एवं डीएम उदिता सिंह ने की संयुक्त समीक्षा
- पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार भी रहे उपस्थित

केटी न्यूज/रोहतास

आगामी बिहार विधानसभा निर्वाचन-2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज समाहरणालय सभा कक्ष, सासाराम में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिले में नियुक्त सभी सामान्य प्रेक्षक द्वारा की गई। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी रोहतास उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रौशन कुमार, तथा जिले के सभी निर्वाचन क्षेत्रीय रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अंतिम 72 घंटे की मानक संचालन प्रक्रिया एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में की गई तैयारियों की समीक्षा करना था।

मुख्य बिंदु एवं समीक्षा विवरण

जिलाधिकारी ने बताया कि सभी मतदान कर्मियों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है तथा मतदान दलों की रवानगी हेतु रूट चार्ट, परिवहन व्यवस्था एवं सामग्री वितरण केंद्रों की तैयारी अंतिम चरण में है। प्रत्येक रिटर्निंग अधिकारी को निर्देश दिया गया कि मतदान सामग्रियों की सुरक्षित पैकिंग, पारदर्शिता एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करें।

संवेदनशील एवं अति संवेदनशील बूथों की समीक्षा : प्रेक्षकगणों ने जिला प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त की। ऐसे सभी बूथों पर वेबकास्टिंग, सीसीटीवी निगरानी, माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती एवं वीडियो मॉनिटरिंग टीमों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था : पुलिस अधीक्षक श्री रौशन कुमार ने बताया कि जिले में अर्धसैनिक बलों, जिला बल, होमगार्ड एवं मोबाइल टीमों की समुचित तैनाती की गई है। संवेदनशील इलाकों में एरिया डोमिनेशन, फ्लैग मार्च एवं नाकाबंदी अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। मतदान दिवस पर विशेष पेट्रोलिंग पार्टियाँ और त्वरित कार्रवाई दल तैनात रहेंगे।

अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण : प्रेक्षकगणों ने निर्देश दिया कि मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (टउउ) के अनुपालन में किसी भी प्रकार की अवैध शराब, नकद राशि, उपहार वितरण, या मतदाताओं को प्रलोभन जैसी गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जाए।

इसके लिए फ्लाइंग स्क्वॉड टीम, स्टैटिक सर्विलांस टीम एवं चेक पोस्ट्स को पूरी तरह सक्रिय रखा गया है।

सुविधाजनक मतदान केंद्र एवं मतदाता सुविधा : जिलाधिकारी ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर रैंप, पेयजल, शौचालय, विद्युत, शेड, व्हीलचेयर एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए सहायता कर्मी उपलब्ध रहेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सहायता कक्ष स्थापित किया जा रहा है।

सी-विजिल एवं सोशल मीडिया मॉनिटरिंग :आयोग के निर्देशानुसार सी-विजिल एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर तत्पर कार्रवाई की जा रही है। सोशल मीडिया टीम द्वारा गलत सूचना एवं भ्रामक प्रचार पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

काराकाट के एनडीए प्रत्याशी महाबली के समर्थन में रक्षा मंत्री ने किया जनसभा

- बिक्रमगंज में राजनाथ सिंह बोले..नया भारत छेड़ने वालों को नहीं छोड़ता

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद बिक्रमगंज के पानी टंकी समीप शनिवार को राजीव गांधी मैदान में एनडीए समर्थित काराकाट विधानसभा के जदयू प्रत्याशी महाबली सिंह के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधन में गरजे देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। उन्होंने सभा संबोधन में कहा कि छेड़ने वालों को हम छोड़ते नहीं। कार्यक्रम के आयोजन पर स्थानीय शहर के राजीव गांधी मैदान में बने जनसभा में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। जो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संबोधन को सुनने के लिए पूरे काराकाट विधानसभा सहित रोहतास जिला से भी काफी संख्या में जनता सहित एनडीए कार्यकर्ता भी जुटे थे। केंद्र सरकार मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन मे केंद्र एवं बिहार सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा किया। उन्होंने कांग्रेस एवं राजद के शासन काल को कोसा। विपक्षी पार्टियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक परिवार बिहार में अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने की चिंता है और कांग्रेस में एक परिवार ही अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाने की चिंता में है। देश एवं बिहार की जनता को चिंता नहीं। वे लोग अपने बेटा को कुर्सी पर बैठाने में लगे हैं, जबकि एनडीए की सरकार भारत को आत्मनिर्भर तथा बिहार को विकसित राज्य बनाने में लगी है। एनडीए कि घोषणा पत्र को संकल्प पत्र कहा। बिहार में करीब 50 हजार कुटीर उद्योग लगाए जाने की योजना की बात कहा। डिफेंस कॉलोनी ,सेबी सेक्टर हब बनाने जैसी बातें कहा। साथ ही वक्फ कानून में गड़बड़ियों को सुदृढ़ कर मुस्लिम को प्रतिनिधित्व दिए जाने की बातें कहा। उन्होंने देश के सैनिकों की पराक्रम को सराहना किया। पुलवामा हमले की घटना के जवाबी कार्रवाई को भी जानकारियां दी। रोजगार सृजन करने के लिए बैंकों से कम ब्याज दर पर ऋण महिया करने के बातें कहा। कांग्रेस एवं राजद के लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकतंत्र में लोक-लज्जा होनी चाहिए, परिवार नहीं। अंत में रक्षा मंत्री ने सभा संबोधन का समापन करते हुए जनता से अपील किया कि आप सभी काराकाट विधानसभा में एनडीए प्रत्याशी महाबली सिंह को 11 नवंबर को सभी बूथ केंद्रों पर अपना बहुमूल्य वोट देकर पुनः बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की डबल इंजन की सरकार बनाएं। वही आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू के रोहतास जिलाध्यक्ष बिंदा चंद्रवंशी और संचालन भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने की। अवसर पर जनसभा मंच को पूर्व विधायक राजेश्वर राज, आरएलएम जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह, जदयू नेता जगनारायण सिंह सहित अन्य लोगों ने किया संबोधित। मौके पर नवीन चंद्र साह, मदन प्रसाद वैश्य, अनंत गुप्ता, धनंजय सिंह, हरेंद्र हरियाली, विवेक कुशवाहा,रमेश सिंह, बलवंत सिंह, संजय वर्मा, पिंटू सिंह, अनिल सिंह, नरेंद्र सिंह सहित सैकड़ों एनडीए कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दानापुर रेल मंडल ने रचा इतिहास : 93.29 % एक्सप्रेस ट्रेनें समय पर, केवल 7.71 फीसदी ही लेट

केटी न्यूज/आरा

दानापुर रेल मंडल ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता से रेलवे की छवि को ऊंचा किया है। रेल मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, दानापुर रेल मंडल देशभर में ट्रेनों के समय पालन के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यहां 93.29 फीसदी एक्सप्रेस ट्रेनें सही समय पर चल रही हैं, जबकि मात्र 7.71 फीसदी ट्रेनें ही लेटलतीफी का सामना कर रही हैं। पिछले एक दशक से दानापुर रेल मंडल में ट्रेनों के लेट होने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं।यात्रियों की बढ़ती शिकायतों और रेलवे मंत्री तक पहुंचे मुद्दों के बाद, डीआरएम विनोद कुमार ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए इसे प्राथमिकता के रूप में लिया। उनके नेतृत्व में मंडल ने ट्रेनों को सही समय पर चलाने के लिए कई तकनीकी और परिचालन सुधार किए, जिनका अब स्पष्ट असर दिखाई दे रहा है। दानापुर रेल मंडल के तहत आने वाले प्रमुख रूट मुगलसराय से झाझा तक पर ट्रेनों की औसत रफ्तार अब 90 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई है। रेलवे ऐप के डेटा से भी इसकी पुष्टि हुई है कि अब अधिकांश ट्रेनें अपने निर्धारित समय पर पहुंच रही हैं। रेल प्रशासन ने ट्रेनों की लेट-लतीफी की समस्या को दूर करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पटरियों की मरम्मत, पुराने पुलों का पुनर्निर्माण, मानव रहित फाटकों पर गेट का निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक पैनल इंटरलॉकिंग सिस्टम जैसी तकनीक अपनाने से परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। दानापुर मंडल की यह उपलब्धि सिर्फ मंडल स्तर तक सीमित नहीं रही। पूर्व मध्य रेलवे ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। समय पालन में पिछले वर्ष की तुलना में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कि पूरे भारतीय रेल के किसी भी अन्य क्षेत्रीय जोन की तुलना में सबसे अधिक है। इस सुधार के साथ पूर्व मध्य रेल ने देश के अन्य 16 क्षेत्रीय रेलों को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस सफलता के पीछे रेलवे की आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए किए गए निरंतर प्रयास हैं।

बॉर्डर पर तैनात सैनिकों ने दिया मतदान वोटिंग कर भेजे 2589 बैलेट पेपर

केटी न्यूज/आरा

देश की सीमाओं पर भोजपुर जिले के तैनात अर्धसैनिक बल के जवानों द्वारा मतदान कर 2589 पोलिंग बैलेट पेपर जिले में आ चुके है।वहां से भेजे जाने के बाद डाकघर से बैलेट पेपर कोषांग को ये सभी पोल वोट मिल चुके हैं। दूसरी तरफ हाल के दिनों में तेजी से पोल बैलेट पेपर आने का सिलसिला शुरू हो गया है। सशस्त्र बलों के लिए जिले से 17404 बैलेट पेपर भेजे गए हैं। भोजपुर जिले से देश की सीमाओं पर तैनात जम्मू कश्मीर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, असम, मिजोरम समेत कई राज्यों में जिले के अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात हैं। इन सभी के लिए लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने के लिए सर्विस वोटर की व्यवस्था की गई है। पिछले पखवारे जिले से 17404 बैलेट पेपर इन सभी के पास भेजे गए थे। अब उधर से तेजी से मतदान होकर जिले में बैलेट पेपर जिला निर्वाचन कार्यालय में आने लगे हैं।मालूम हो कि जवानों के मुख्यालय से भेजे गए बैलेट पेपर डाक के माध्यम से यहां आते हैं। डाकघर में आए बैलेट पेपर रोजाना शाम को जिला निर्वाचन कार्यालय के बैलेट पेपर कोषांग में जमा किए जाते हैं। अभी तक प्राप्त 2589 बैलेट पेपर में सबसे ज्यादा बड़हरा में 680, उसके बाद संदेश में 519 और सबसे कम अगिआंव विधानसभा में 161 बैलेट पेपर पहुंचे हैं। मालूम हो कि भोजपुर जिले में सबसे ज्यादा सर्विस वोटर शाहपुर में 3569, बड़हरा में 3351, संदेश में 2756, जगदीशपुर में 2335, आरा में 2077 तरारी में 1869 और सबसे कम अगिआंव में 1447 है। इस बार ज्यादा मतदान को देखते हुए 10 हजार से 12 हजार बैलेट पेपर आने की संभावनाएं व्यक्त की गई है।

एक नजर

भोजपुर में अनियंत्रित वाहन ने साइकिल सवार को रौंदा मौके पर मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

आरा। भोजपुर जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के सरैयांझबलुआ मुख्य सड़क पर स्थित सारसीवान बाजार के पास शनिवार की सुबह एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में साइकिल सवार अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के पदमिनिया गांव निवासी राम स्वरूप यादव के 55 वर्षीय पुत्र विजय यादव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि विजय यादव सुबह साइकिल से सारसीवान बाजार में चाय पीने जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें कुचल दिया।दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर बलुआझसरैयां मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। वे वाहन चालक की गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे थे।सूचना मिलते ही धोबहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। थानाध्यक्ष वर्षा रानी ने बताया कि अज्ञात वाहन से हादसा हुआ है। आक्रोशित लोग मुआवजा की मांग कर रहे हैं।

बिहार के मजदूर की मौत के बाद बवाल, पुलिस ने 5 लोगों को दबोचा

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक 28 साल के बिहारी मजदूर की बेरहमी से हत्या ने सबको हिला दिया है। मृतक राहुल सिंह रजक बिहार के भोजपुर जिले का रहने वाला था। वह अपने बड़े भाई सोनू रजक के साथ उतई थाना क्षेत्र की विजय पांडेय आरा मिल में काम करता था। यहीं पुराने साथियों से उसका झगड़ा इतना बढ़ा कि पांच लोगों ने मिलकर उसे लाठी-डंडों से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और डुमरडीह बस स्टैंड के पास फेंककर भाग निकले। पुलिस के मुताबिक राहुल अक्सर शराब पीकर झगड़ा करता था। इसी वजह से ठेकेदार विजय पांडेय ने दोनों भाइयों को नौकरी से निकाल दिया था। सोनू बिहार लौट गया, लेकिन राहुल उतई में ही रुक गया। 5 नवंबर रात करीब 10 बजे वह फिर आरा मिल पहुंचा। वहां अटल पांडेय, अक्षय कुमार, राहुल सिंह, अमरनाथ प्रजापति और अंजनी से किसी बात पर बहस हुई। देखते-देखते सभी ने मिलकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। राहुल चीखता रहा, लेकिन कोई बचाने नहीं आया। अगली सुबह 6 बजे बस स्टैंड के पास उसका शव मिला। सूचना मिलते ही उतई पुलिस मौके पर पहुंची। पाटन एसडीओपी अनूप लकड़ा ने बताया कि पोस्टमार्टम में सिर, छाती और पेट पर गहरे घाव मिले। मौत अंदरूनी रक्तस्त्राव और मस्तिष्क आघात से हुई। सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान के आधार पर पांचों आरोपियों को 24 घंटे के अंदर धर दबोचा गया। सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। राहुल की पत्नी और दो छोटे बच्चे बिहार में हैं। परिजनों ने फोन पर रोते हुए कहा, हमारा सहारा छिन गया। सरकार आरोपियों को फांसी दे। भाई सोनू ने बताया कि राहुल पिछले 4 साल से दुर्ग में काम कर रहा था। हर महीने 10-12 हजार घर भेजता था। पुलिस ने ठेकेदार विजय पांडेय से भी पूछताछ की है। आरा मिल को सील करने की तैयारी चल रही है। पाटन एसडीओपी ने कहा कि मजदूरों की सुरक्षा के लिए सभी आरा मिलों में रात के समय गश्त बढ़ाई जाएगी। बाहर से आए मजदूरों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। दुर्ग जिले में पिछले 6 महीने में तीन बिहारी मजदूरों की हत्या हो चुकी है। प्रशासन अब प्रवासी मजदूरों की अलग रजिस्ट्रेशन व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। राहुल का शव परिजनों को सौंप दिया गया है। गांव में मातम पसरा है।

बिहार चुनाव खत्म होते ही ऐसे लोगों पर गिरेगी गाज, पुलिस का एक्शन प्लान तैयार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले ही पुलिस ने साफ कर दिया है कि आचार संहिता तोड़ने वालों की अब खैर नहीं। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को निर्देश भेजा है कि 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान खत्म होते ही सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट करने वालों के खिलाफ तुरंत त्रक्षक्ष दर्ज हो। अब तक 430 से ज्यादा आचार संहिता उल्लंघन के मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक कंटेंट सबसे ज्यादा है। आर्थिक अपराध इकाई के साइबर सेल ने 150 सोशल मीडिया हैंडल की लिस्ट भी तैयार कर ली है। ये प्रोफाइल चुनाव के दौरान लगातार फेक न्यूज, जातीय उकसावा और डीपफेक वीडियो शेयर कर रहे थे। एडव के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लन ने बताया कि अक डेस्क ने दो दर्जन से ज्यादा डीपफेक वीडियो पकड़े हैं। इनके लिंक प्लेटफॉर्म से हटवाए गए हैं। अब पोस्ट करने वालों के घर छापेमारी होगी और गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में चार्जशीट 15 दिन में दाखिल की जाएगी। पुलिस मुख्यालय के सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल ने 184 आपत्तिजनक पोस्ट हटवाए हैं। इनमें राजद, भाजपा और कांग्रेस से जुड़े हैंडल भी शामिल हैं। चुनाव आयोग के निर्देश पर सभी पार्टियों को चेतावनी दी गई थी कि अक से बनी सामग्री पर ह्लअक त्रील्ली१ ३ीह्वि लेबल लगाना जरूरी है। उल्लंघन करने वालों पर क्ळ एक्ट, फ्ढउ और आचार संहिता की धाराएं लगेंगी। अउऋ नैयर हसनैन खान ने कहा कि जीरो टॉलरेंस नीति है। ट्रायल तेजी से चलेगा ताकि दोषी जल्द सजा पाएं। आर्म्स एक्ट के मामलों में भी स्पीडी ट्रायल का प्लान है। चुनाव के दौरान 850 अवैध हथियार और 4000 कारतूस बरामद हुए थे। इनकेस की फाइल कोर्ट भेजी जा रही है। पुलिस का कहना है कि हिंसा भड़काने वालों को कोई राहत नहीं मिलेगी। सभी जिलों में विशेष टीम गठित हो चुकी है। मतगणना के दिन अतिरिक्त फोर्स तैनात रहेगी। बिहार पुलिस की यह सख्ती चुनाव को निष्पक्ष बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आम लोग भी श्क्क्ह्नछ ऐप से इससे जुड़ी शिकायत कर सकते हैं। पुलिस ने अपील की है कि अफवाह न फैलाएं। जो फैलाएगा, उसे सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। चुनाव खत्म होने के बाद भी सभी नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा।

मतदान है सबसे बड़ा अधिकार,जरूर करें प्रयोग : प्रियांशु पराशर

- नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को किया गया जागरूक

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 5 में नगर परिषद बिक्रमगंज के सौजन्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया । इस मौके पर पटना की नराट फाउंडेशन की टीम ने नुक्कड़ नाटक व गीत-संगीत के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया । नाटक के माध्यम से कलाकारों ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करे । टीम के कलाकार विकास कुमार,अरुण कुमार,आराध्या कुमारी,बिट्टू कुमार, संटू कुमार,श्रवण रजक सहित अन्य ने अपनी शानदार प्रस्तुति से लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया ।इस अवसर पर बिक्रमगंज प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रियांशु पराशर ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी भी है । 11 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी मतदाता शत-प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र को सशक्त बनाएं । उन्होंने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि युवा वर्ग मतदान को उत्सव की तरह मनाए और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करे । मौके पर नगर परिषद के नाजीर रमेश कुमार,कार्यपालक सहायक अनमोल कुमार समेत अन्य कर्मी व स्थानीय वार्डवासियों की उपस्थिति रही । नाटक देखने के लिए आसपास के मोहल्लों से भी बड़ी संख्या में लोग जुटे और कलाकारों की प्रस्तुति की जमकर सराहना की ।कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से मतदान दिवस पर परिवार के सभी सदस्यों सहित मतदान केंद्र पर पहुंचने का संकल्प दिलाया ।

बिहार के यात्रियों के लिए रेलवे की विशेष व्यवस्था अब दर्जनों ट्रेनों में मिलेगी महत्वपूर्ण सुविधा

केटी न्यूज/पटना

पूर्व मध्य रेलवे ने बिना पैंट्रीकार वाली 30 जोड़ी ट्रेनों में ट्रेन साइड वेंडिंग शुरू करने का फैसला किया है। दानापुर मंडल में 12 जोड़ी और पूरे जोन में 30 जोड़ी ट्रेनों की लिस्ट IRCTC को सौंप दी गई है। तैयारी अंतिम चरण में है। जल्द ही कोच के अलग सेक्शन में लाइसेंसी वेंडर चाय, नाश्ता, खाना और स्नैक्स परोसेंगे। दानापुर-दिल्ली जनसाधारण, राजगीर-हरिद्वार, भागलपुर-एलटीटी, आंबेडकर नगर-पटना, राज्यरानी और कटिहार इंटरसिटी जैसी ट्रेनें इस लिस्ट में शामिल हैं। छपरा-दिल्ली स्वतंत्रता सेनानी में ट्रायल सफल रहा है और इस दौरान यात्रियों ने गरम नाश्ते और चाय की तारीफ भी की। IRCTC के अधिकारी ने बताया है कि कोविड से पहले बनी योजना अब अमल में आ रही है। रेल मंत्रालय के आदेश पर वाणिज्य विभाग ने ट्रेनें चुनीं हैं। अब तक छोटे रूट की स्पेशल ट्रेनों में सिर्फ बोतलबंद पानी मिलता था। नाश्ते के लिए प्लेटफॉर्म पर दौड़ना पड़ता था। टीएसवी से यात्रियों को हर 2-3 घंटे में कुछ न कुछ मिलेगा। मेनू में वेज थाली, ब्रेड-ऑमलेट, समोसा, चाय-कॉफी और बिस्किट शामिल होंगे। कीमत IRCTC रेट कार्ड के मुताबिक ही होगा। हर कोच में 2-3 वेंडर तैनात रहेंगे। सबसे बड़ी राहत यह है कि अवैध वेंडरों पर लगाम लगेगी। अभी बिना लाइसेंस वाले लोग घटिया सामान बेचकर यात्रियों को बीमार करते हैं। टीएसवी से सिर्फ प्रमाणित वेंडर काम करेंगे। जबकि RPF और टीटीई निगरानी में जुटे रहेंगे। दानापुर मंडल के डीआरएम ने कहा है कि यात्री शिकायत करेंगे तो तुरंत कार्रवाई भी होगी। इस घोषणा के बाद यात्रियों में खुशी की लहर है। पटना जंक्शन पर दिल्ली जाने वाले एक यात्री ने बताया, ह्ल12 घंटे की यात्रा में दो बार गरम और शुद्ध खाना मिलेगा तो नींद अच्छी आएगी। IRCTC ने वेंडरों का प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। हफ्ते भर में पहली ट्रेन में सुविधा शुरू हो जाएगी।

समस्तीपुर में वीवीपैट पर्चियां फेंकी मिलीं : डीएम ने एफआईआर दर्ज कराई, जांच के आदेश

एजेंसी/पटना

समस्तीपुर जिले में चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाला चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले के सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र के शीतलपट्टी गांव के पास हजारों वीवीपैट पर्चियां कूड़े में फेंकी हुई पाई गईं।बताया गया कि इस विधानसभा क्षेत्र में 6 नवंबर को मतदान हुआ था, जबकि 8 नवंबर की सुबह ग्रामीणों ने कूड़े के ढेर में वीवीपैट पर्चियां देखीं। इसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।सूचना मिलते ही समस्तीपुर के जिलाधिकारी (उद्) रोशन कुशवाहा और पुलिस अधीक्षक (रढ) अरविंद प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। एसडीओ दिलीप कुमार भी जांच में शामिल हुए। अधिकारियों ने सभी पर्चियों को मौके से जब्त कर लिया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि पर्चियों पर मुद्रित जानकारी से संबंधित मतदान केंद्र की पहचान की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये पर्चियां किस केंद्र से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में लापरवाही के आरोप में दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि कई अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही विभिन्न प्रत्याशी भी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रशासन से गंभीर जांच की मांग की। राजद प्रत्याशी अरविंद सहनी ने इस घटना को चुनाव आयोग की लापरवाही और पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करने वाला मामला बताया है। उन्होंने कहा कि मतगणना से पहले ही इस तरह की घटनाएं जनता के विश्वास को कमजोर करती हैं। फिलहाल प्रशासन ने वीवीपैट पर्चियों को सुरक्षित कर जांच टीम गठित की है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पर्चियां कूड़े में कैसे और क्यों फेंकी गईं।

सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं राहुल और तेजस्वी : अमित शाह

एजेंसी/पटना

गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्णिया के बनमनखी में चुनावी सभा की। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया। अपने संबोधन के दौरान गृह मंत्री ने महागठबंधन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य के आधे हिस्से ने पहले ही कांग्रेस-राजद गठबंधन को नकार दिया है। एनडीए बिहार में 160 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। मैं सीमांचल में आया है। मैं सीमांचल वालों की बात जानने आया हूं। आप बताओं सीमांचल से घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए या नहीं निकालना चाहिए। यह अभी-अभी राहुल गांधी और लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव घुसपैठियों बचाव यात्रा लेकर निकले थे। वह चाहते हैं सीमांचल घुसपैठियों का अड्डा बने। घुसपैठिये हमारे गरीबों का हक छीनते हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग न केवल घुसपैठियों को निकालेंगे, बल्कि जमीन अधिग्रहण को भी जमींदोज कर देंगे। गृह मंत्री ने कहा कि भक्त प्रह्लाद और महर्षि मेंही की भूमि को मैं प्रमाण करता हूं। बिहार के पहले दलित मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री को मैं प्रमाण करता हूं। इस चुनाव में दो खेमे लगे हैं। एक ओर बिखरा हुआ ठगबंधन और दूसरे ओर पांच पांडवों वाला एनडीए है। आधे बिहार ने वोट डाल दिए हैं। पहले चरण में लालू-राहुल की पार्टी का सूफड़ा साफ हो गया। बिहार में एनडीए सरकार बनने वाली है। मोदी-नीतीश के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़कर एक विकसित राज्य बनने जा रहा है। अगले पांच साल में सीमांचल में एक-एक अवैध गतिविधि को भाजपा और एनडीए की सरकार उखाड़ फेकेंगी। हमारी मतदाता सूची से घुसपैठिये निकालने चाहिए या नहीं निकालने चाहिए। यह राहुल गांधी और लालू प्रसाद घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। लेकिन, आप दोनों कान खोलकर सुन लें कि हमलोगों उन्हें सीमांचल की धरती से निकाल कर उनके देश भेज कर रहेंगे। अमित शाह ने कहा कि थोड़ी सी गलती हुई तो जंगलराज वापस आ जाएगा। अमित शाह ने कहा कि दिनदहाड़े यहां पर एमएलए की हत्या हुई थी। नीतीश कुमार ने जंगलराज समाप्त कर दिया है। अब यह जंगलराज नए चेहरे के साथ, नए भेष बदलकर वापस आ रहा है। इसलिए कमल छाप पर बटन दबाइए और एनडीए को जिताने का काम कीजिए। गृह मंत्री ने कहा कि लालू की पार्टी शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट दिया और शहाबुद्दीन के लिए अमर रहे का नारा लगाया। तेजस्वी यादव कान खोलकर सुन लो अब बिहार की धरती पर शहाबुद्दीन और ओसामा की जगह नहीं रही।

हर घुसपैठिया को देश के बाहर भेजेंगे

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर अवैध प्रवासी की पहचान करेगी, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजेगी. उन्होंने कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार के सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं. हम हर घुसपैठिए की पहचान करेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएंगे और उन्हें उनके देश वापस भेजेंगे." गृह मंत्री ने कहा, अगर आप नहीं चाहते कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री घुसपैठिए तय करें, तो उस राजद-कांग्रेस गठबंधन को हराइए जो उन्हें बचाने के लिए यात्रा निकाल रहा है।

राहुल गांधी की दुकान बिहार में बंद हो जाएगी

राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा, राहुल गांधी की दुकान बिहार में बंद हो जाएगी, क्योंकि इंडिया ब्लॉक का सफाया तय है. राजग 243 सदस्यीय विधानसभा में 160 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएगा.' महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, दोनों अपने बेटों तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को लेकर चिंतित हैं, लेकिन न बिहार में उनके लिए कोई सीट बची है और न दिल्ली में।

राजद पर क्या कुछ बोले गृह मंत्री शाह

उन्होंने कहा, राज्य का आधा हिस्सा पहले ही कांग्रेस-राजद गठबंधन को दरवाजा दिखा चुका है." उन्होंने छह नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान की ओर इशारा करते हुए ऐसा कहा. राजद पर तंज कसते हुए शाह ने कहा, मैं तेजस्वी से सहमत हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात जन्मों में भी वह नहीं कर सकते जो लालू प्रसाद ने किया... क्योंकि मोदी जी घोटाले नहीं कर सकते." उन्होंने कहा कि बिहार को औद्योगिक केंद्र बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार किया गया है, जिसमें पेट्रोलियम रिफाइनरी समेत कई परियोजनाएं शामिल हैं।

एक नजर

तेजप्रताप को मिली वाई प्लस सिक्योरिटी, एक सप्ताह पहले ही पीएम मोदी से मांगी थी सुरक्षा

पटना। जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो और लालू के बड़े लाल तेजप्रताप यादव को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गयी है। पिछले एक सप्ताह पहले ही राष्ट्रीय जनशक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव राज्य निर्वाचन आयोग के दफ्तर पहुंचे थे। जहां उन्होंने सुगौली के उम्मीदवार श्याम किशोर चौधरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया था और निर्वाचन अधिकारी से मिलकर उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि श्याम किशोर चौधरी को सुगौली विधानसभा से अपनी पार्टी का सिंबल दिया था। मुझसे बिना पूछे महागठबंधन के मुकेश साहनी से समर्थन ले लिया। संगठन के रुल को भी फॉलो नहीं किया। इसी की उम्मीदवारी रद्द कराने आए थे। तभी तेज प्रताप यादव ने वर्तमान माहौल में खुद को असुरक्षित बताया था। उन्होंने कहा था कि जिस तरीके से बिहार में घटना हो रही है, ऐसे में मेरी सुरक्षा कम है। तेज प्रताप यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सुरक्षा की मांग की थी। तेज प्रताप ने कहा कि वर्तमान में जो मेरी सुरक्षा व्यवस्था है, वो पर्याप्त नहीं है। पीएम मोदी से मैं सुरक्षा की मांग करता हूं। मेरी सुरक्षा बढ़नी चाहिए। तेजस्वी की मांग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विचार करते हुए उन्हें वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करायी है। गृह मंत्रालय के आदेश के बाद सीआरपीएफ की सुरक्षा उन्हें मुहैया करायी जाएगी।

खेसारी लाल यादव की सभा में बेकाबू भीड़ पर पुलिस ने चलाये डंडे, हेलिकॉप्टर भी हुआ खराब

मोतिहारी। मोतिहारी के चिरैया में भोजपुरी फिल्म के सुपर स्टार खेसारी लाल यादव ने महागठबंधन के प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्हें देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को डंडे चटकाने पड़ गये। इस दौरान ही खेसारी लाल का हेलिकॉप्टर भी खराब हो गया। अचानक हेलिकॉप्टर खराब होने के कारण खेसारी लाल यादव सड़क मार्ग से शिवहर के लिए रवाना हो गये। बता दें कि मोतिहारी के चिरैया विधानसभा क्षेत्र में खेसारी लाल यादव फखऊ प्रत्याशी के लिए वोट मांगने के लिए आए हुए थे। इस दौरान उन्होंने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम झुकने वाले नहीं हैं, जितना बर्बाद करोगे, हम उतना ही मजबूत होंगे। इस दौरान उन्होंने 'लालू बिना चालू ई बिहार न होई' गीत भी गाया। जिसे सुनकर लोग बेकाबू हो गये। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को डंडे चलाने पड़ गये। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाला और खेसारी लाल यादव को वहां से निकाला। जब खेसारी लाल यादव हैलीपैड पहुंचे तो पता चला कि हेलिकॉप्टर ही खराब है, जिसके बाद वो सड़क मार्ग से शिवहर के लिए रवाना हो गये।

बिहार में मिलिट्री गुड्स ट्रेन के दो खाली डिब्बे पटरी से उतरे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

हाजीपुर। बिहार के हाजीपुर जंक्शन के पास शनिवार को एक सैन्य मालगाड़ी के दो खाली डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना से एक बड़ा हादसा टल गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। यह घटना हाजीपुर रेलवे स्टेशन से थोड़ी दूर पीछे हुई। उमालगाड़ी पटोरी की तरफ से हाजीपुर स्टेशन से गुजर रही थी, तभी उसके दो खाली डिब्बे बेपटरी हो गए और दूसरे ट्रैक पर चले गए। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। सोनपुर से दुर्घटना राहत यान (अफ्ळ) भी घटनास्थल पर भेजा गया। हादसे के बाद कुछ देर के लिए ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ। बेपटरी हुए डिब्बों को वापस पटरी पर लाने और ट्रैक को दुरुस्त करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

रजौली में चिराग पासवान की जनसभा, लोजपा प्रत्याशियों के समर्थन में की वोट की अपील

एजेंसी/रजौली

रजौली विधानसभा क्षेत्र के अमावाँ इंटर विद्यालय मैदान में शनिवार को आयोजित विशाल जनसभा में लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के समर्थन में जनता से वोट देने की अपील की। उन्होंने रजौली से विमल राजवंशी और गोविंदपुर से विनीता मेहता के पक्ष में वोट मांगते हुए कहा कि दोनों प्रत्याशी अपने क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि वे जात-पात और धर्म से ऊपर उठकर बिहार के विकास की राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी सोच ह्यबिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्टह्व की है। बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए जरूरी है कि आप सबका साथ और आशीर्वाद मिले, ताकि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अनुभव, जीतनराम मांझी के समर्थन और उपेंद्र कुशवाहा के सहयोग से एक मजबूत सरकार बना सकें। पासवान ने कहा कि रजौली की जनता अपने भाई विमल राजवंशी और गोविंदपुर की जनता अपनी बहन विनीता मेहता को भारी मतों से विजयी बनाकर विधानसभा भेजें, ताकि वे क्षेत्र के विकास के मुद्दों को मजबूती से उठा सकें।न्होंने आगे कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव का अंतिम चरण चल रहा है और यह चुनाव राज्य के अगले पांच वर्षों के भविष्य को तय करेगा। ह्ययह पांच साल बिहार के लिए स्वर्णिम काल साबित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विकास की दिशा में अग्रसर है, वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की डबल इंजन सरकार राज्य को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है। चिराग पासवान ने कहा कि अब रुझान स्पष्ट हैं और 14 नवंबर को एनडीए की सरकार बनना तय है। ऐसे में जनता को ऐसे प्रतिनिधि चुनने चाहिए जो सत्ताधारी पक्ष के साथ रहकर अपने क्षेत्र के विकास के लिए काम कर सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि ह्ययदि गलती से गलत नेता चुन लिया गया, तो वे अगले पांच साल यही कहते रहेंगे कि सरकार हमारी नहीं सुनती। सभा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और पूरे मैदान में ह्यचिराग पासवान जिंदाबादह्व तथा ह्यबिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्टह्व के नारे गूंजते रहे।

बेलागंज में इकरा हसन की चुनावी सभा: राजद प्रत्याशी डॉ. विश्वनाथ के लिए मांगा वोट, तेजस्वी यादव भी रहे मौजूद

गया जी । गया जी के बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी डॉ. विश्वनाथ के पक्ष में चुनाव-प्रचार किया। इस दौरान आयोजित जनसभा में उन्होंने बेलागंज की जनता से विकास और सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत बनाने के लिए राजद प्रत्याशी विश्वनाथ को भारी मतों से विजयी बनाने की बात कही। कहा कि बिहार में बदलाव बेहद जरूरी है, जो बिना आपके संभव नहीं है। सभा को संबोधित करते हुए इकरा हसन ने कहा कि बिहार में बदलाव की हवा चल रही है और जनता अब झूठे वादों से ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि डॉ. विश्वनाथ एक शिक्षित और ईमानदार उम्मीदवार हैं, जो जनता के मुद्दों को सदन तक ले जाने की क्षमता रखते हैं। इस मौके पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बेलागंज की जनता हमेशा न्याय और विकास के पक्ष में खड़ी रही है और इस बार भी डॉ. विश्वनाथ को भारी समर्थन देगी। कार्यक्रम में जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र यादव, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व सांसद अफजाल अंसारी सहित महागठबंधन के कई प्रमुख नेता शामिल हुए। सभा स्थल पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम लोग मौजूद रहे, जिन्होंने "राजद ज़िंदाबाद" और "महागठबंधन विजय होगा" के नारे लगाए। स्थानीय लोगों का कहना था कि तेजस्वी यादव और इकरा हसन की संयुक्त उपस्थिति ने चुनावी माहौल को और अधिक उत्साहित कर दिया है। अब देखना यह है कि बेलागंज की जनता इस जोश को मतदान में कैसे तब्दील करती है।

वाल्मिकिनगर में 28 दिन के नवजात की गला रेतकर हत्या दिव्यांग माता-पिता के इकलौते बेटे की मौत से गांव में मातम

एजेंसी/बगहा

बगहा के वाल्मिकिनगर में 28 दिन के नवजात शिशु की निर्मम हत्या से सनसनी फैल गई। इस घटना से हर कोई हैरान और परेशान है। पुलिस से हत्यारों का पता लगा कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना लक्ष्मीपुर रमपुरवा पंचायत के लक्ष्मीपुर थारु टोला गांव स्थित वार्ड नंबर 7 की है। जहां शनिवार की सुबह के आंख खुलते हीं 28 दिन के एक नवजात शिशु की हत्या ने लोगों को सदमे में ला दिया। ग्रामीणों की सूचना पर वाल्मीकि नगर थाने के पुलिस इंस्पेक्टर मुकेश चंद्र कुमर के नेतृत्व में वाल्मीकि नगर पुलिस द्वारा तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। मृत नवजात शिशु के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए बगहा अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मीपुर थारु टोला गांव निवासी दिव्यांग दिनेश चौतरिया जिनका दाहिना हाथ केहुनी से कटा हुआ है, और बायें हाथ की तीन उंगलियां भी कटी हुई है। वही मृत शिशु की मां प्रिती देवी भी दिव्यांग हैं। वो कान से कम सुनती और बोल भी नहीं पाती है। दृष्टि दोष की भी शिकार हैं। रात के समय उसे ठीक से दिखाई भी नहीं देता है। दोनों अपने नवजात पुत्र लक्की के साथ सोए हुए थे। तीन साल की बेटी भूमिका अपनी दादी के साथ बगल के कमरे में सोयी हुई थी। रात के समय प्रिती शौच के लिए गई हुई थी। थोड़ी देर बाद पिता दिनेश की नींद खुली तो पाया कि पत्नी और बच्चा बिछावन पर नहीं है। तब उन्हे लगा की कहीं बच्चा अपनी दादी के साथ सोया होगा। उसने वहां भी खोजा। पूछताछ में पत्नी ने बताया कि वह बच्चे को वहीं छोड़ कर गई थी। तब तक उसके शोर मचाने पर पड़ोसी इकट्ठे हो गए और बच्चे की खोज शुरू हो गई। काफी खोजबीन के बाद पड़ोसी महिला को बच्चा मृत स्थिति में घर के आंगनबाड़ी में रखें पत्थर के किए गए छोटे-छोटे टुकड़ा पर मिला। तत्काल सुचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। प्रथमदृष्टया ऐसा लगता है कि नवजात शिशु लक्की की धारदार या नुकिले हथियार से गला काट दिया गया है। पड़ोसियों के मुताबिक बच्चे के मुंह में लाल रंग का कपड़ा ठुसा हुआ पाया गया था। नवजात शिशु एकलौते बच्चे की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं पड़ोसी व ग्रामीण सदमे और दहशत में हैं। दिनेश एक तीन वर्ष की बेटी और एक बच्चे का पिता था। घटना की सूचना पर एफएसएल की टीम पहुंची और साक्ष्य जुटाने में जुटी है। वन क्षेत्र से नजदीक गांव के होने के कारण ग्रामीणों द्वारा जंगली जानवर तेंदुआ के हमले की संभावना भी जताई गई। लेकिन घर के बाहर दिनेश और पड़ोसियों की बकरियां भी सुरक्षित बंधी पायी गई।

भीड़ के कारण सभा स्थल तक नहीं पहुंच सके पवन सिंह, रोड शो करके बताया मोदी-नीतीश की जोड़ी हिट

एजेंसी/पटना

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और बीजेपी के स्टार प्रचारक पवन सिंह शनिवार को पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा में भारी जनसैलाब के कारण सभा स्थल तक नहीं पहुंच सके। जनसैलाब इतना जबरदस्त था कि रणभूमि मैदान से सभा स्थल तक का रास्ता भी अवरुद्ध हो गया, जिसके चलते उन्हें अपनी रोड शो वैन पर खड़े होकर ही जनसमूह को संबोधित करना पड़ा।पवन सिंह और बीजेपी प्रत्याशी विजय खेमका को भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगातार अपील करनी पड़ी, लेकिन उत्साह से भरी भीड़ नियंत्रण में नहीं आई। भारी भीड़ के कारण बीजेपी प्रत्याशी विजय खेमका को भी रोड शो वैन पर ही रहना पड़ा। सभा स्थल के बजाय, इसी वैन से पवन सिंह ने एनडीए प्रत्याशी विजय खेमका को वोट देकर जिताने की अपील की और बिहार में एनडीए की सरकार बनाने का आह्वान किया। अनियंत्रित भीड़ को देखते हुए, पवन सिंह को वैन से संबोधन के बाद, हवाई रास्ते से अगले सभा स्थल, कसबा स्थित जगेली के लिए निकलना पड़ा।अपने संबोधन के दौरान पवन सिंह बेहद भावुक दिखे और उन्होंने खुद को स्टार नहीं बल्कि जनता का सेवक बताया। उन्होंने कहा कि मुझको आपने ही बनाया है। इतना आशीर्वाद दिया कि जहां भी खड़ा रहता हूं आपका आशीर्वाद बोलता है। मैं कोई स्टार नहीं। आपसे बड़ा कोई नहीं है। आपसे ही हीरो बना हूं। लव यू आप सभी को। उन्होंने लोगों को उनके वोट की कीमत समझाते हुए कहा कि आपके एक वोट से आपके बच्चे और परिवार का भविष्य तय होगा। पवन सिंह ने चुनावी अपील करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी को हिट बताया। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि केंद्र में मोदी जी, राज्य में नीतीश जी और कसबा विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी विजय खेमका को भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने एनडीए प्रत्याशी के लिए अपना प्रसिद्ध गाना गुनगुनाया जोड़िया मोदीया नीतीशजी के हिट भईल।

खरगे ने चुनावी सभा में देरी का ठीकरा पीएम मोदी पर फोड़ा, कहा- मुझे दो घंटे तक बैठाकर रखा

एजेंसी/रोहतास

रोहतास के चेनारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नौहट्टा में शुक्रवार को आयोजित एक जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे निर्धारित समय से करीब 3 घंटे विलंब से पहुंचे। भाषण के शुरूआत में खड़गे ने चेनारी विधानसभा की जनता से विलंब से आने के लिए माफी मांगते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुरक्षा कारणों से मुझे दो घंटे बैठाया गया, जिससे मुझे आने में देरी हुई। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे नौहट्टा बीआरसी मैदान में महागठबंधन की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी झूठ बोलने में हिचकिचाते नहीं हैं और उनके मित्र अमित शाह भी उन्हीं की तरह हैं। खड़गे ने कहा कि मोदी जी ने कहा था कि किसानों को हर साल दो करोड़ रुपये देंगे। क्या दिया? नहीं। उन्होंने कहा था कि गरीबों को एक करोड़ घर देंगे। क्या दिया? नहीं।कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार की जनता से किए वादे पूरे नहीं किए, लेकिन इंडिया गठबंधन उन्हें पूरा करेगा। इतना ही नहीं खरगे ने आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी पंचायत चुनाव से लेकर एमपी एमएलए के सभी चुनावों में घूमते रहते हैं। इनका काम सिर्फ देश-विदेश घूमने एवं चुनाव प्रचार का है। देश हित में कोई काम नहीं करते।

सुभाषितम्

तर्प से किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता। मूर्ख लोग तर्प करते हैं, जबकि बुद्धिमान विचार करते हैं। - परमहंस योगानंद

नागरिक स्वतंत्रता की नई परिभाषा

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी असर वाला फैसला सुनाते हुए नागरिक स्वतंत्रता के संरक्षण की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने आदेश दिया है, कि किसी भी नागरिक की गिरफ्तारी से पहले जांच अधिकारी द्वारा लिखित रूप में गिरफ्तारी का कारण बताना अनिवार्य होगा। यह आदेश देश के सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को भेजा गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आम नागरिकों को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का पालन हर स्तर पर किया जा सके। यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 22(1) में निहित सुरक्षा को नई व्याख्या देता है। दरअसल अनुच्छेद 22 नागरिकों को मनमानी गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करता है और कहता है कि किसी भी व्यक्ति को बिना कारण बताए हिरासत में नहीं लिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी का कारण बताना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि यह एक बाध्यकारी संवैधानिक दायित्व है। खंडपीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के कारणों को लिखित रूप में उस व्यक्ति को समझ में आने वाली भाषा में बताया जाना चाहिए। अगर किसी कारणवश लिखित रूप से कारण देना संभव न हो, तो जांच अधिकारी को मौखिक रूप से बताना अनिवार्य होगा ताकि आरोपी मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रख सके। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो ऐसी गिरफ्तारी और उसके बाद दिया गया रिमांड पूरी तरह से अवैध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में न्यायाधीश को गिरफ्तार व्यक्ति की तत्काल रिहाई का आदेश देना होगा। यह फैसला पुलिस और न्यायिक तंत्र के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक मजबूत प्रयास है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी की पुस्तिका में स्पष्ट रूप से यह लिखना होगा कि किन कारणों से गिरफ्तारी की गई और गिरफ्तारी की सूचना संबंधित व्यक्ति के परिवार के किस सदस्य को दी गई। साथ ही, मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आरोपी को उनके सामने पेश किया जाए, तब उसे गिरफ्तारी के कारणों की पूरी जानकारी हो। यह आदेश न केवल पुलिस की मनमानी पर रोक लगाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। भारत में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ लोगों को बिना पर्याप्त कारण या साक्ष्य के हिरासत में ले लिया जाता है। कई बार गिरफ्तारी एक राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव का परिणाम होती है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय ऐसे सभी दुरुपयोगों के खिलाफ एक स्पष्ट चेतावनी है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के पूर्ववर्ती फैसलों की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997) मामले में कोर्ट ने गिरफ्तारी और पूछताछ के दौरान मानवाधिकारों की रक्षा के लिए 11 दिशानिर्देश जारी किए थे। अब यह नया निर्णय उन दिशानिर्देशों को संवैधानिक रूप से और अधिक दृढ़ करता है। यह नागरिक स्वतंत्रता को व्यवहारिक धरातल पर लागू करने की दिशा में एक और ठोस कदम है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में, जहाँ संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मान्यता देता है, वहाँ इस आदेश का न केवल कानूनी, बल्कि नैतिक और सामाजिक महत्व भी अत्याधिक है। गिरफ्तारी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने से जनता का कानून व्यवस्था में विश्वास मजबूत होगा। यह निर्णय पुलिस सुधारों और मानवाधिकारों की बहस को नई दिशा देगा। अब यह जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उच्च न्यायालयों की है कि वे सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करें। पुलिस बल को प्रशिक्षित किया जाए ताकि वह गिरफ्तारी की प्रक्रिया को संविधान के अनुरूप अपनाए और हर नागरिक को उसके अधिकारों की पूरी जानकारी दी जा सके। संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता का जीवंत प्रतीक है।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं। सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

उत्तराखंड गठन की रजत जयंती पर उपलब्धि के नाम पर हाथ खाली!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड राज्य के गठन को पच्चीस साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर को उत्तराखंड सरकार ऐतिहासिक और यादगार बनाने की तैयारी में जुटी है। पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर कार्यक्रमों की योजना बन चुकी है और उनका रोडमैप तैयार कर लिया गया है। इस बार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उत्तराखंड आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ नवंबर को राज्य स्थापना समारोह में शामिल होंगे। राज्य स्थापना दिवस पर नौ नवंबर को पूरे प्रदेश में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान परिसर में इस उपलक्ष्य में भव्य समारोह की तैयारी चल रही है। शासन और प्रशासन दोनों स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। हालांकि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है लेकिन सुरक्षा और प्रोटोकॉल की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक से नौ नवंबर तक प्रदेशभर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर राज्य की परंपराओं, लोक संस्कृति और विकास यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। उत्तराखंड सरकार इस अवसर पर दो दिवसीय विधानसभा का विशेष सत्र भी बुला रही है। तीन नवंबर को सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राज्य के विकास की उपलब्धियों पर विधानसभा में अपना संबोधन देंगी। यह आयोजन उत्तराखंड के इतिहास में एक खास अध्याय बनने जा रहा है।जिसमे प्रधानमंत्री का आगमन ओर भी महत्वपूर्ण हो गया है।

उत्तराखंड राज्य बनने के बाद, की उपलब्धियो में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, और पर्यटन के विस्तार जैसी आर्थिक प्रगति हुई है, जबकि विफलताओं में पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति में गिरावट, और पर्यावरण संबंधी चुनौतियाँ शामिल हैं। राज्य में कई एमएसएमई उद्योगों की स्थापना नारायण दत्त तिवारी सरकार के समय हुई है, जिससे लाखों लोगों को रोजगार मिला है। दूसरी ओर, स्वास्थ्य सेवाएँ, जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, और कृषि व बागवानी क्षेत्र की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसके अलावा, पर्यावरण संबंधी चिंताएं और कभी-कभी साइबर हमले जैसी चुनौतियाँ भी रही हैं। उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्षों में कई क्षेत्रों में अग्रसर रहा है, फिर भी कई चुनौतियों का समाधान अभी भी बाकी है। राज्य सरकार ने अपनी योजनाओं में जनसहभागिता को शामिल करते हुए एक समावेशी विकास मॉडल अपनाने की कोशिश की है। आगामी वर्षों में, यदि उत्तराखंड पहाड़ी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने, पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालिक रोजगार के अवसर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है, तो यह राज्य विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा और ह्लउत्तराखंड का दशकह्व कहलाएगा।उत्तराखंड राज्य को बने 25 वर्ष हो गए है ,लेकिन आज तक उत्तराखंड आत्मनिर्भरता नही हो सका है।विकास पुरूष नारायण दत्त तिवारी ने अपने शासनकाल में राज्य के अंदर जो औद्योगिक नगर बसाए थे उनमें से करीब बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी है या फिर पलायन कर चुकी है।गत वर्षो में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विदेशों में निवेश के एमओयू साइन करवा रहे थे।लेकिन विदेशों व मुंबई जैसे महानगरों के निवेशक कब उत्तराखंड आएंगे इसका जवाब किसी के पास नही है। किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान अधर में है। नया गन्ना सत्र शुरू हो जाने पर भी गन्ना मूल्य घोषित न होने से किसान असमंजस में है।राज्य के कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे है,लेकिन कोई सुनवाई नही हो पा रही है,ऐसे में राज्य स्थापना दिवस पर उनके मुरझाये चेहरे पर रौनक कैसे आ सकती है?आज 25 साल बीतने पर भी उत्तराखंड में न तो स्थाई राजधानी बन पाई और न ही उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण का काम पूरा हो पाया।उत्तराखंड के मूलभूत सरोकार आज भी ज्यो के त्यों हमारे सामने प्रश्न बने खड़े है। गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी तो घोषित कर दिया था, लेकिन स्थायी राजधानी के मुद्दे को आज तक भी हल नही किया गया है। हालांकि कांग्रेस एलान कर चुकी है कि गैरसैंण को वह स्थायी राजधानी घोषित करेगी। लेकिन कब,इस पर वह भी मौन है,जवाब में सत्ता पक्ष भाजपा ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करके अपना पल्ला झाड़ लिया।लेकिन स्थायी राजधानी किसी ने नही बनाई।यह राजधानी कब बनाएगी जाएगी ,इसका कोई जवाब सत्ता पक्ष किसी के पास नही है।ग्रीष्म कालीन सत्र भी जरूरी नही सरकार गैरसैंण बुलाये,कई बार ये सत्र भी देहरादून में ही बुला लिए जाते है।जबकि गैरसैंण में राजधानी के नाम पर दो सौ करोड़ से अधिक विधानसभा भवन व अन्य भवनों के नाम पर खर्च हो चुका है।

प्रदेश की जनता प्रदेश के राजनीतिक , सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय परिदृश्य को भी पूरी तरह से पलटने की क्षमता रखती हैं। महान शख्सियत चन्द्रसिंह गढ़वाली का सपना था कि ह्वपहाड़ की राजधानी, पहाड़ में ही हो।ह्व वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ही उन लोगों में थे जिन्होंने सबसे पहले गैरसैंण में प्रदेश की राजधानी की मांग की थी। गैरसैंण चमोली ज़िले का एक ऐसा पहाड़ी शहर है जो गढ़वाल और कुमाऊं की सीमा पर बसा है। सन 1990 के आस पास जब पृथक राज्य की मांग उग्र रूप ले रही थी, तब से ही इस प्रस्तावित राज्य उत्तराखंड की राजधानी के रूप में गैरसैंण को देखा जा रहा था। तभी तो 25 जुलाई सन 1992 के दिन तो ह्वउत्तराखंड क्रांति दलह्व ने गैरसैंण को अपने दल की ओर से पहाड़ की राजधानी घोषित किया और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के नाम पर इस शहर का नाम ह्वचंद्र नगरह्व रखते हुए राजधानी क्षेत्र का शिलान्यास भी किया था।इसके बाद कई आंदोलन हुए और अलग राज्य की स्थापना 9 नवंबर सन 2000 में हो गई। लेकिन देहरादून को अस्थायी राजधानी का नाम देने से स्थायी राजधानी का मुद्दा सुलझने की जगह और भी ज्यादा उलझता चला गया।यानि अब यह साफ हो गया है कि बिना संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से कमजोर उत्तराखंड में अब एक नहीं दो-दो राजधानी का बोझ झेलना पड़ रहा है। तत्कालीन त्रिवेंद्र सरकार ने गैरसैंण को सिर्फ ग्रीष्म कालीन स्वीकार किया। जो उत्तराखंड के लिए एक घाव की तरह बनकर रह गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन महारा का कहना है कि कांग्रेस सत्ता में आने पर गैरसैंण को पूर्ण राजधानी बनाएगी। ग्रीष्म कालीन राजधानी पर तत्कालीन मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र रावत ने कहा था कि यह फैंसला भविष्य के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा था कि यह फैसला इसलिए लिया गया, ताकि उत्तराखंड निर्माण का लाभ दूरस्थ इलाकों को भी मिल सके।तब त्रिवेंद्र बोले थे , गैरसैंण ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करने के बाद सरकार यहां राजधानी के लिए बुनियादी सुविधाएं जुटाने का काम करेगी।

भारतीय रेल मानचित्र पर गति और आधुनिकता का नया युग

- विनोद कुमार सिंह

8 नवंबर 2025 का दिन भारतीय रेल के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया।इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को राष्ट्र को समर्पित किया। वंदे भारत एक्सप्रेस को उन्होंने स्वयं मंच से हरी झंडी दिखाई, जबकि एनार्कुलम] बेंगलुरु, लखनऊ सहारनपुर और फिरोजपुर, दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रवाना किया।प्रधानमंत्री का यह आयोजन केवल चार नई ट्रेनों के उद्घाटन भर का समारोह नहीं था, बल्कि यह नया भारत तेज भारत की उस भावना का उत्सव था,जो देश की हर पटरी पर प्रगति की रफ्तार बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा- वंदे भारत ट्रेनें आज आत्मनिर्भर भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और नई पीढ़ी के आत्म विश्वास की मिसाल हैं।ये ट्रेनें न सिर्फ शहरों को जोड़ती हैं,बल्कि दिलों को जोड़ती हैं।अब भारत की रफ्तार किसी से कम नहीं,यह नया भारत अब ठहरने वाला नहीं है। एनार्कुलम बेंगलुरु : दक्षिण भारत की विकास यात्रा की गाथा चारों नई वंदे भारत ट्रेनों में से सबसे अधिक चर्चा में रही है-एनार्कुलम बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस,जो दक्षिण भारत में आधुनिकता,गति और सुविधा का नया प्रतीक बन चुकी है।यह ट्रेन केरल की सांस्कृतिक राजधानी एनार्कुलम(कोच्चि)को कर्नाटक की तकनीकी राजधानी बेंगलुरु से जोड़ती है। लगभग 575 किलोमीटर की दूरी यह मात्र 8 घंटे 40 मिनट में तय करती है, जो पारंपरिक एक्सप्रेस ट्रेनों से करीब दो घंटे कम है। यह ट्रेन प्रतिदिन दोनों दिशाओं में चलेगी, जिससे यात्रियों को वन डे ट्रिपकी सुविधा मिलती है-यानी सुबह रवाना होकर शाम तक वापसी संभव है।व्यावसायिक यात्रियों,आईटी सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनलों और पारिवारिक यात्राओं के लिए यह सुविधा क्रांतिकारी है। ट्रेन सात प्रमुख स्टेशनों पर रुकती है कोयंबटूर,तिरुपुर,इरोड,सलेम,पालक्काड,थ्रिस्सूर और एनार्कुलम। ये सभी स्टेशन दक्षिण भारत की औद्योगिक, कृषि और सामाजिक धड़कन हैं।इरोड और सलेम अपने लघु उद्योगों और कृषि उत्पादों के लिए प्रसिद्ध हैं,वहीं कोयंबटूर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।अब इन शहरों के व्यापारी और उद्योगपति अपने माल को समय पर बड़े बाजारों तक पहुँचा सकेंगे।आधुनिक तकनीक,भारतीय निर्माण का अनुठा संगम-एनार्कुलमझबेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह भारतीय तकनीक और इंजीनियरिंग कौशल से निर्मित है।इसका निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (क्ळ्त्र)में हुआ है।यह ट्रेन न केवल मेक इन इंडिया की सफलता का प्रतीक है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की तकनीकी शक्ति को भी दशार्ती है। इस ट्रेन की प्रमुख विशेषताएँ हैं– एरोडायनामिक डिजाइन,जो गति और स्थिरता दोनों बनाए रखता है। ऊर्जा-सक्षम प्रणालियाँ,जिससे ईंधन की खपत कम होती है।बायो- वैक्यूम शौचालय और स्वचालित दरवाजे, स्वच्छता और सुविधा दोनों का संगम।जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली,जिससे यात्रियों को हर स्टेशन और समय की जानकारी रीयल टाइम में मिलती है।रिक्लाइनिंग सीटें,जो लंबी यात्रा को थकानरहित और आरामदायक बनाती हैं।पर्यावरण और अर्थ व्यवस्था दोनों को लाभ -यह वंदे भारत एक्सप्रेस न केवल तेज और आरामदायक है,बल्कि पर्यावरण- अनुकूल भी है।इसके ऊर्जा-कुशल इंजन कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम रखते हैं।रेल मंत्रालय के अनुसार,नई पीढ़ी की वंदे भारत ट्रेनों से डीजल खपत में भारी कमी आएगी और देश के ग्रीन मोबिलिटी लक्ष्यों को गति मिलेगी।व्यापारिक दृष्टि से भी यह ट्रेन लाभदायक है।एनार्कुलम का पोर्ट-आधारित व्यापार,बेंगलुरु का आईटी सेक्टर,और कोयंबटूर का टेक्सटाइल उद्योग -इन तीनों के बीच संपर्क मजबूत होने से माल-परिवहन और श्रमिक- आवागमन को नई दिशा मिलेगी। परिवहन की लागत घटेगी और उत्पादकता बढ़ेगी।पर्यटन और संस्कृति का नया सेतु केरल और कर्नाटक न केवल आर्थिक रूप से,बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध राज्य हैं।एनार्कुलम के बैकवाटर्स,कोच्चि का ऐतिहासिक बंदरगाह,तिरुपुर के मंदिर,सलेम की पहाड़ियाँ और बेंगलुरु का तकनीकी आकर्षण -अब एक ही दिन में यात्रियों की पहुँच में होंगे।धार्मिक और सांस्कृतिक यात्राएँ भी सुगम होंगी।मोदी ने अपने संबोधन में विशेष रूप से कहा -भारत में पर्यटन केवल आर्थिक गतिविधि नहीं,बल्कि भावना है।जब हमारी रेल सुविधाएँ आधुनिक होंगी,तो तीर्थ,पर्यटन और व्यापार -सबको समान रूप से बल मिलेगा। एनार्कुलमझबेंगलुरु वंदे भारत के साथ तीन अन्य ट्रेनें भी राष्ट्र को समर्पित की गईः बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस-उत्तर भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ती है। लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस-उत्तर प्रदेश की औद्योगिक पट्टी को तीव्र कनेक्टिविटी देती है। फिरोजपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस-पंजाब की सीमांत धरती को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ती है। इन चारों ट्रेनों की शुरूआत के साथ अब देश में 80 से अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस परिचालित हैं।दक्षिणभारत में यह नेटवर्क और भी सशक्त हुआ है,जिससे भारतीय रेल मानचित्र पर गति और आधुनिकता का नया युग आरंभ हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा कि बीते दस वर्षों में भारत ने जो रेल क्रांति देखी है,वह किसी एक सरकार की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति का परिणाम है। रेल मंत्रालय का उद्देश्य है कि वंदे भारत जैसी हाई-टेक ट्रेनों के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों को जोड़ा जाए। इससे यात्रा का समय घटेगा, ऊर्जा की खपत कम होगी और यात्रियों का अनुभव विश्वस्तरीय बनेगा।

खुशहाल व राज्य प्राकृतिक सौंदर्य राज्य उत्तराखंड

- संजय गोस्वामी

उत्तराखंड स्थापना दिवस हर साल 9 नवंबर को मनाया जाता है। यह वर्ष 2000 में भारत के 27वें राज्य के रूप में उत्तराखंड के गठन की याद में मनाया जाता है। यह दिन राज्य की संस्कृति, विरासत और राज्य के लिए आंदोलन के दौरान किए गए बलिदानों का सम्मान करता है।उत्तराखंड उत्तर भारत में हिमालय में स्थित एक राज्य है, जिसे देवभूमि या देवताओं का निवास स्थान कहा जाता है। इसका गठन 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग करके किया गया था। यह राज्य बद्रीनाथ और केदारनाथ जैसे पवित्र तीर्थ स्थलों, प्राकृतिक सुंदरता और साहसिक खेलों के लिए जाना जाता है।उत्तराखंड की राजधानी देहरादून है उत्तराखंड के हरिद्वार में शांतिकुंज है जहाँ लोगों की ठहरने की व्यवस्था केवल उन लोगों के लिए उपलब्ध है जो या तो आध्यात्मिक तपस्या और प्रशिक्षण शिविरों (शांतिकुंज का मुख्य केंद्र) में भाग लेने के लिए आते हैं, या कुछ धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आते हैं, या, उचित अनुमति प्राप्त करने के बाद, केवल इस आध्यात्मिक रूप से प्रेरित तीर्थस्थल के दर्शन करने के लिए आते हैं। भूगोल और सीमाएँ स्थितिः हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं की तलहटी में। सीमाएँः उत्तर में चीन (तिब्बत) और पूर्व में नेपाल से लगती हैं। स्थलाकृतिः बर्फ से ढकी चोटियाँ, ग्लेशियर, घाटियाँ, झीलें और गंगा जैसी नदियाँ सहित विविध परिदृश्य वाला एक विशाल पहाड़ी राज्य। वन क्षेत्रः राज्य का 65% से अधिक भाग वनों से आच्छादित है। संस्कृति और ऐतिहासिक स्थल आध्यात्मिक स्थलः केदारनाथ, बद्रीनाथ, हरिद्वार और ऋषिकेश जैसे कई पवित्र स्थलों का घर। लोकप्रिय स्थलः नैनीताल और मसूरी जैसे हिल स्टेशनों और औली के स्कीइंग स्थल के लिए प्रसिद्ध। राष्ट्रीय उद्यानः इसमें प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं। भाषाः हिंदी आधिकारिक भाषा है, जबकि गढ़वाली और कुमाऊँनी भी व्यापक रूप से बोली जाती हैं। अर्थव्यवस्था और गतिविधियाँ खनिज संसाधनः राज्य में चूना पत्थर, संगमरमर और मैग्नेसाइट जैसे खनिजों के प्रचुर भंडार हैं। जलविद्युतः इसमें जलविद्युत उत्पादन की प्रचुर संभावनाएँ हैं। पर्यटनः आध्यात्मिक पर्यटन और ट्रेकिंग, रिवर राफ्टिंग और कैंपिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र।। भराड़ीसैंण (गैरसैंण)ः ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया गया। इतिहासः सांस्कृतिक, भौगोलिक और प्रशासनिक भिन्नताओं के कारण एक अलग पहचान के लिए लंबे संघर्ष के बाद, 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर इस राज्य का गठन किया गया था, जिसका मूल नाम उत्तरांचल था। 2007 में इसका आधिकारिक नाम बदलकर उत्तराखंड कर दिया गया। महत्वः यह दिन राज्य की विशिष्ट पहचान, सांस्कृतिक गौरव और इसके लोगों की दृढ़ भावना का जश्न मनाता है। यह राज्य की प्रगति और अपनी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता पर चिंतन करने का भी अवसर प्रदान करता है। समारोहः राज्य भर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक नृत्य, संगीत, भाषण और व्याख्यान शामिल होते हैं, जो अक्सर सतत विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और युवा सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आयोजित किए जाते हैं। परिचय` उत्तराखंड का मुख्य उपनाम देवभूमि है, जिसका अर्थ है देवताओं की भूमि।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज के दिन आपका किसी से वाद विवाद हो सकता है।	**तुला** पुरानी देनदारी चुकाने में कामयाब होंगे। जरूरी सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है।
वृषभ आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। इस दौरान कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ परेशानी हो सकती है।	**वृश्चिक** दिन के पहले हिस्से में कुछ जरूरी फोन कॉल्स और ईमेल्स का जवाब देना महत्वपूर्ण रहेगा।
मिथुन आज के दिन दूसरों के इमोशन्स को पहचानने की कोशिश करनी होगी।	**धनु** आज आपको आपके कार्यक्षेत्र यानी ऑफिस में कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।
कर्क दिन खुद को साबित करने का है। दिन आपके पास खुद को साबित करने के मौके आएंगे।	**मकर** आज सुबह से ही किसी नए प्रोग्राम को लेकर आपके अंदर नई शक्ति और एनर्जी रहेगी।
सिंह आज आपको दिन से पहले हिस्से में दूसरों की आर्थिक मदद करने में ही समय गुजारना पड़ सकता है।	**कुंभ** आज आर्थिक दृष्टि से कुंभ राशि के जातकों का आज का दिन लाभदायक रहने वाला है।
कन्या जिम्मेदारियां आ सकती हैं। पुराने लटके हुए कामों को पूरा करने का आज आपको मौका मिलेगा।	**मीन** आज के दिन अपने में मस्त रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की तरफ ध्यान न लगाएं।

विशेष

न्यायपालिका भी सरकार के सामने सरेंडर

पिछले कुछ वर्षो से न्यायपालिका में दर्जनों मामले लंबित हैं। जिसमे सरकार को परेशानी हो सकती है। एसआईआर के मामले में सुप्रीम कोर्ट से तारीख पर तारीख मिल रही है। बिहार में लाखों मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार का प्रश्न था। सारे प्रमाण होने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला नहीं किया और चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई। इस मुद्दे से न्यायपालिका की साख आम जनता के बीच में लगभग खत्म हो गई है। जिन मामलों में फैसला सामने आए हैं। वह भी आधे अधूरे हैं। सुप्रीम कोर्ट टिप्पणी जरूर करती है लेकिन सलाह देकर या आधे अधूरे फैसला देकर पल्ला झाड़ लेती है। सरकार की नाराजी से जज बचना चाहते हैं। जिस तरह की न्यायपालिका देखने को मिल रही है।

कोयला घोटाले में सभी अभियुक्त बरी

कोयला घोटाले के आरोप में मनमोहन सिंह की चली गई।यूपीए सरकार जिसका नेतृत्व मनमोहन सिंह कर रहे थे। कैट ने काल्पनिक आरोप लगाए। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बन गई। 76000 करोड़ घोटाले का काल्पनिक आरोप केट ने लगाया गया था।इस घोटाले मे कोर्ट से सभी आरोपी बरी हो गए हैं। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर दी। मामले की सुनवाई ही नहीं हो रही है। भाजपा आज भी कोयले घोटाले को लेकर कांग्रेस के ऊपर हमलावर है। कांग्रेस चुप होकर रह जाती है।

कार्टून कोना

वोट चोरी से बिहार में सरकार बनाना चाहती है एनडीएः प्रियंका गांधी

आज का इतिहास

1236ः रुखनुद्दीन फिरोजशाह की हत्या। 1271ः संत नामदेव का जन्म। 1877ः शायर मुहम्मद इकबाल का जन्म। 1882ः मिस्त्र पर फ्रांस और ब्रिटेन का संयुक्त नियंत्रण स्थापित हुआ। 1937ः जापानी सैनिकों ने शंघाई पर कब्जा किया। 1960ः वायुसेना के प्रथम भारतीय प्रमुख सुब्रत मुखर्जी का निधन। 1963ः उम्टा जापान में कोयला खान में विस्फोट से 452 श्रमिक मारे गए और लगभग पांच सौ अन्य घायल हो गए। 1971ः चीन का प्रतिनिधिमंडल पहली बार राष्ट्रसंघ सम्मेलन में शामिल हुआ। 1977ः दक्षिणी लेबनान में इजरायली विमानों की बमबारी से 61 व्यक्ति मारे गए। 1982ः अफगानिस्तान में पहाड़ी सुरंग के भीतर सोवियत संघ के 171 सैनिक और नागरिक मारे गए। 1987ः कोलंबो में बम विस्फोट से 32 व्यक्ति मारे गए और 103 अन्य घायल हो गए।

दैनिक पंचांग

9 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

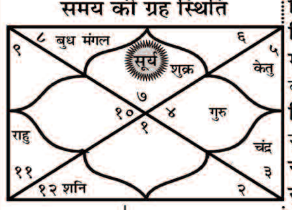

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.47 ब.से
चंद्र	मिथुन में	धनु	09.03 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.08 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.55 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.28 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.58 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.38 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.36 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.50 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.06 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		कन्या	02.18 बजे से
		तुला	04.28 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 313 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 01.56 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 20.05 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 15.02 बजे को समाप्त।
करण कौलव 15.06 बजे तदनन्तर तैतिल 01.56 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 16° 52'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872523
जूलियन दिन 2460988.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

अलायड विषयों में पास अभ्यर्थी भी जेट में हो सकेंगे शामिल, ऑनलाइन आवेदन की डेट बढ़ी

रांची, एजेंसी। अब विभिन्न कोर विषयों के अलायड विषयों में स्नातकोत्तर उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट) में सम्मिलित हो सकेंगे। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की स्वीकृति मिलने के बाद झारखंड लोक सेवा आयोग ने उन विषयों की सूची जारी कर दी है। उन अलायड विषयों में उत्तीर्ण अभ्यर्थी संबंधित कोर विषय में इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। जैसे, जो अभ्यर्थी आर्कियोलाजी विषय में स्नातकोत्तर उत्तीर्ण हैं, वे इसके कोर विषय इतिहास से इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। इसी के साथ आयोग ने इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन आवेदन की समय सीमा एक बार फिर बढ़ा दी है। आयोग के अनुसार, अब इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन आवेदन एक दिसंबर को रात 11.45 बजे तक होंगे। परीक्षा शुल्क भुगतान करने की अंतिम तिथि दो दिसंबर शाम पांच बजे तक निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन में संशोधन तीन से पांच दिसंबर शाम पांच बजे तक हो सकेगा। ऐसे अभ्यर्थी जो पूर्व में आवेदन कर चुके हैं तथा अलायड विषयों के अनुसार कोर विषय को लेकर ऑनलाइन आवेदन में सुधार करना चाहते हैं, वे भी निर्धारित अवधि में आवेदन में सुधार कर सकते हैं। विज्ञापन के शेष प्रविधान यथावत रहेंगे।

चंपई सोरेन का हाल होगा कोल्हान के तीन पूर्व सीएम जैसा, दीपक बिरुआ ने कसा तंज

रांची, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी तापमान चरम पर है। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्री दीपक बिरुआ ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन पर मौकापरस्त होने का तीखा आरोप लगाते हुए खूब तंज कसा। एक्स पोस्ट में बिरुआ ने चंपई को कोल्हान क्षेत्र के तीन पूर्व भाजपाई मुख्यमंत्रियों अर्जुन मुंडा, मधु कोड़ा और रघुवर दास की तरह राजनीतिक पारी के आखिरी पायदान पर पहुंचने की चेतावनी दी। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी चंपई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन की बहुत बड़ी हार की भी भविष्यवाणी कर दी। बिरुआ लिखते हैं – आपकी (चंपई सोरेन) व्याकुलता आपकी व्यथा बता रही है। जीवन में आपसे बहुत कुछ सीखा लेकिन आप खुद की जमीर को मार कर सिर्फ पद और पुत्र के लिए अपने राजनीतिक अस्तित्व के अंत की तरफ अग्रसर हो गए। आपकी मजबूरी सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार ही नहीं, अपितु पूरा झारखंड जानता है। आप सदैव सम्माननीय रहेंगे लेकिन आपको लोग सदा मौकापरस्त ही कहेंगे। चंपई को अनुकंपा से सीएम बनाए जाने का जिक्र कर बिरुआ ने कहा कि उन्होंने मर्यादा का पालन नहीं किया। बहुत बड़ी हार बाबूलाल का इंतजार कर रही है। तीन पूर्व भाजपाई मुख्यमंत्री कोल्हान के अपने राजनीतिक पारी के आखिरी पायदान पर आपका बेसब्री से राह देख रहे, जो 14 नवंबर को स्वत: चरितार्थ हो जाएगा। उन्होंने पोस्ट के साथ चार तस्वीरें टैग की है, जिसमें चंपई सोरेन दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन और दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के साथ नजर आ रहे हैं।

रेलवे की नई लाइन पर आज से दौड़ेगी 25 हजार वोल्ट की बिजली, प्रशासन ने जारी की चेतावनी

जमशेदपुर, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर डिवीजन अंतर्गत सालगझारी ईस्ट केबिन से सालगझारी वेस्ट केबिन तक नवनिर्मित तीसरी रेल लाइन पर शनिवार से विद्युत प्रवाह शुरू कर दिया जाएगा। रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने एक सार्वजनिक सूचना जारी करते हुए सभी रेलवे लाइन उपयोगकर्ताओं और आम जनता को आगाह किया है। इस लाइन के ऊपर लगे ओवरहेड ट्रैक्शन तारों में 25 हजार वोल्ट, 50 हर्ट्ज एसी करंट प्रवाहित होगा, जो अत्यधिक खतरनाक है। आरवीएनएल के ग्रुप जनरल मैनेजर (इलेक्ट्रिकल) ने बताया कि शनिवार से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय जीवित (लाइव) माना जाएगा। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को इसके पास आने या काम करने की सख्त मनाही है। यह नई तीसरी लाइन सालगझारी ईस्ट केबिन (छोड़कर) से सालगझारी वेस्ट केबिन (शामिल) तक है, जिसमें अतिरिक्त लूप, क्रास-ओवर, स्विचिंग स्टेशन, सहायक ट्रांसफार्मर और फीडर लाइनें भी शामिल हैं। यह खंड किलोमीटर 243/18ए (चेनेज: 595.65) से किलोमीटर 246/30बी (चेनेज: 845.95) तक फैला है। रेलवे ने सड़क मार्ग का उपयोग करने वाले लोगों के लिए एक विशेष चेतावनी जारी की है। इस रेल खंड पर पड़ने वाले सभी लेवल क्रॉसिंग पर हाइट गेज (ऊंचाई अवरोधक) लगाए गए हैं। इन हाइट गेजों की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई सड़क के स्तर से 4.78 मीटर है। यह इसलिए किया गया है ताकि अधिक ऊंचाई वाले वाहन या उनमें लदा सामान गलती से भी हाई टेंशन वाले बिजली के तार (कॉन्टैक्ट वायर) के संपर्क में न आ सकें। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि लेवल क्रासिंग पर बिजली का तार रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर होगा। सभी वाहन चालकों और माल ढुलाई करने वालों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि उनके वाहनों की ऊंचाई या उन पर लदे सामान की ऊंचाई किसी भी परिस्थिति में 4.78 मीटर से अधिक न हो।

मांदर की थाप पर झूम उठा चाईबासा, जय झारखंड के नारे से गूंजा इलाका

चाईबासा, एजेंसी। सुबह का सूरज जैसे ही चाईबासा की गलियों में सुनहरी किरणें बिखेरने लगा, शहर की फिजा में आज कुछ अलग ही गूंज थी। पोस्ट फिस चौक की ओर जाते ही कानों में मांदर की थाप, बैंड की धुन और बच्चों की खिलखिलाहट घुल रही थी। हवा में उड़ते फूलों के संग लोगों की आंखों में गर्व चमक रहा था। उपायुक्त चंदन कुमार, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, एसडीओ संदीप अनुराग टोपनो और एसडीपीओ बहामन टुटी ने वीर राम भगवान केरकेट्टा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा जताई। मशाल की लौ जल उठी, और उसी के साथ शुरू हुई गौरव यात्रा की मशाल, जो झारखंड की आत्मा को शहर-शहर, गांव-गांव तक लेकर जाएगी। यात्रा के आगे स्कैटर्स टीम झंडे थामे फिसल रही थी, पीछे चाईबासा सदर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और पीएमश्री स्काट स्कूल की बैंड टीम कदमताल कर रही थी। मांगीलाल रूंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय और डीपीएस स्कूल एंड कालेज के बच्चे रंग-बिरंगे परिधानों में नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे। मांदर की थाप पर आदिवासी युवक-युवतियां थिरक रहे थे जैसे चाईबासा की सड़कों ने खुद को झारखंडी संस्कृति के रंग में रंग दिया हो। रास्ते में हर मोड़ पर लोग खड़े थे।

प्रदेश में मौसम रहेगा शुष्क, छाएगा कोहरा, न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री की गिरावट संभव

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के पूर्वानुमान के अनुसार, 11 नवंबर तक सुबह में कोहरा या धुंध छाने और उसके बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है। इस दौरान मौसम शुष्क बना रहेगा। पूरे राज्य के मौसम पर नजर डालें तो मध्य, दक्षिण, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी झारखंड में अगले पांच दिनों तक मौसम में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। मौसम विभाग ने बताया है कि राज्य में अगले 2 से 3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके बाद के दो दिनों में इसमें कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

रांची के मौसम में जारी रहेगा उतार चढ़ाव : रांची और आसपास के क्षेत्रों के लिए जारी विशेष पूर्वानुमान के मुताबिक, 11 नवंबर तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में आंशिक उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। आज अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 13 रह सकता है।

उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं की वजह से ठंड : झारखंड में मौसम पिछले 24 घंटे से शुष्क बना हुआ है। उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं की वजह से सुबह और रात में ठंडक बढ़ने लगी है, जबकि दिन में हल्की गर्मी महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार राज्य में किसी बड़े वेदर सिस्टम का प्रभाव नहीं है, इसलिए अगले 24 घंटे तक मौसम सामान्य रहेगा।

राज्य में पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान 32.9 डिग्री सेल्सियस पाकुड़ में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस गुमला में रिकॉर्ड किया गया। इसके साथ ही सुबह और रात की ठंड बढ़ने के संकेत साफ दिखने लगे हैं। रांची, जमशेदपुर, बोकारो, दुमका समेत कई जगह तापमान में मामूली गिरावट देखी गई।

न्यूनतम तापमान में गिरावट का असर : न्यूनतम तापमान भी सामान्य दायरे में है, लेकिन कुछ स्थानों पर यह सामान्य से नीचे या ऊपर देखने को मिला। गुमला, जमशेदपुर और दुमका जैसे स्थानों पर रात की ठंड बढ़ती दिख रही है।

मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में रात और सुबह का पारा और नीचे जा सकता है। वहीं राज्य में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। मौसम विभाग ने साफ कहा है कि फिलहाल झारखंड में वर्षा की कोई संभावना नहीं है। नमी का स्तर भी सामान्य स्थिति में बना हुआ है। राज्य में फिलहाल मौसम के स्थिर रहने के संकेत हैं। हवा की दिशा और गति में हल्के बदलाव के बीच नवंबर की ठंड धीरे-धीरे दस्तक दे रही है।

उत्तर और मध्य झारखंड में तेजी से बढ़ेगा ठंड : पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के लगभग सभी जिलों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री की कमी दर्ज की जाएगी। उत्तर और मध्य झारखंड में यह गिरावट ज्यादा तेज दिखेगी, जबकि दक्षिणी जिलों में हल्की ठंड बढ़ने के संकेत हैं। देवघर, दुमका, गोड्डा और पाकुड़ जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री से घटकर 27-29 डिग्री तक पहुंच जाएगा। न्यूनतम तापमान भी 18 डिग्री से गिरकर 13 से 15 डिग्री तक आ जाएगा, जिससे सुबह के समय ठंडक महसूस होगी। जमशेदपुर, धनबाद और गिरिडीह में भी इसी तरह की गिरावट दर्ज होने के आसार हैं।

मध्य झारखंड में बढ़ेगी सर्द हवा का असर : रांची, हजारीबाग, बोकारो और रामगढ़ में दिन का तापमान 27 से घटकर 25-26 डिग्री के आसपास रहेगा, जबकि रात का पारा 11 से 13 डिग्री तक पहुंच सकता है। इससे सुबह और देर शाम ठंड का असर और बढ़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कुहासा छाने की संभावना भी जताई गई है। सिंहभूम और सरायकेला में अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री से गिरकर 28-29 डिग्री तक आएगा, जबकि न्यूनतम तापमान 12-13 डिग्री रहेगा।

ट्यूनीशिया में फंसे 40 झारखंडी प्रवासी श्रमिक सुरक्षित स्वदेश लौटे, बचे 8 की जल्द होगी घर वापसी

विष्णुगढ़ (हजारीबाग), एजेंसी। अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के विष्णुगढ़, गिरिडीह और बोकारो के 48 प्रवासी श्रमिकों में से 40 श्रमिक सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं। शेष 8 श्रमिकों की वापसी भी जल्द होने की संभावना है।

ज्ञात हो कि श्रमिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो जारी कर प्रदेश एवं केंद्र सरकार से अपनी सकुशल वापसी की गुहार लगाई थी। उन्होंने बताया था कि पिछले तीन माह से निर्माण एजेंसी द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया, जिससे खाने-पीने में भारी परेशानी हो रही थी। श्रमिकों की इस दयनीय स्थिति को देखते हुए उनके बकाए वेतन का भुगतान कराया गया तथा स्वदेश वापसी के लिए हवाई टिकट भी उपलब्ध कराए गए। प्रवासी श्रमिकों की समस्या उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की थी। अली के अनुसार, पहली खेप में 31 और दूसरी खेप में 9 श्रमिक वापस लौट आए हैं। बचे हुए 8 श्रमिकों के लिए भी टिकट उपलब्ध करा दिए गए हैं और उनकी जल्द वापसी की उम्मीद है। स्वदेश लौटने वालों में धनेश्वर महतो, अनंतलाल महतो, गोविन्द महतो, जागेश्वर महतो, जगतपाल महतो, गंगाधर प्रसाद, खीरोधर महतो, कैलाश महतो, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, नीलकंठ महतो, खुबलाल महतो, संतोष महतो, सेवा महतो, नंदलाल महतो, मुरली मंडल, झंडु महतो, गुरुचरण महतो, नागेन्द्र कुमार सहित कुल 40 प्रवासी श्रमिक शामिल हैं।

धनबाद में बंद खदान के चानक में लगी आग, काले धुएं के गुबार से भर उठा आसमान, जहरीले धुएं से घिरा इलाका

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बाघमारा अनुमंडल स्थित बीसीसीएल एरिया-4 के लकड़का 8 नंबर बंद चानक में लगी भीषण आग ने पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी है। कतरी नदी के किनारे बसे इस इलाके में आग की ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार आसमान तक उठ रहा है। पिछले कई दिनों से भूमिगत कोयला परतों में लगातार आग सुलग रही है, जिसके कारण घना, काला और जहरीला धुआं चारों तरफ फैल रहा है। धुएं के प्रकोप से आसपास की घनी आबादी में दहशत फैल गई है। लोग घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। वहीं हवा में तैरते जहरीले कण सांसों में घुलते जा रहे हैं।

धुआं भरने से बच्चों-बुजुर्गों की बढ़ी परेशानी

लगातार उठते धुएं ने आसपास के पूरे इलाके को धुंध और तीखी दुर्गंध से भर दिया है। घरों के अंदर तक धुआं जमने लगा है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सांस लेने में भारी दिक्कत हो रही है। कई परिवारों ने बताया कि रात के समय स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जब हवा की दिशा बदलने से धुआं सीधे घरों में घुसता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। ग्रामीणों के अनुसार भूमिगत आग का दायरा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। जिससे आस-पास के घर और खेत भी खतरे की जद में आ सकते हैं।

बीसीसीएल प्रबंधन नहीं दे रहा ध्यान : भूमिगत आग की इस गंभीर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई दिनों से आग की समस्या बढ़ती जा रही है, लेकिन बीसीसीएल की ओर से अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।

लोगों का कहना है कि हालात बिगड़ने के बाद भी प्रबंधन ने न तो क्षेत्र का निरीक्षण किया और न ही आग पर नियंत्रण के लिए किसी विशेषज्ञ टीम की तैनाती की गई। ग्रामीणों ने बताया कि अगर आग इसी तरह फैलती रही तो कतरी नदी के किनारे बसे कई गांवों को बड़ा नुकसान हो सकता है।

ग्रामीणों ने की प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग : आग और जहरीले धुएं की बढ़ती स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने बीसीसीएल अधिकारियों तथा जिला प्रशासन से तुरन्त पहल करने की मांग की है। लोगों ने कहा कि प्रशासनिक टीम मौके पर आकर स्थिति का जायजा ले। आग पर नियंत्रण तथा धुएं की रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो सकती है।

पाकुड़ में पटसन के अवशेष में लगी आग, चांचकी गांव के पास देर रात मची अफरा-तफरी, पास ही था पेट्रोल पंप

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिला अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पाकुड़-धुलियान मुख्य पथ पर शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया। चांचकी गांव के पास सड़क किनारे रखे पटसन के अवशेष में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोग त्वरित पहल करते हुए आग बुझाने में लगे, लेकिन पटसन के सूखे अवशेष होने के कारण लपटें तेजी से फैलती रहीं, जिससे हालात गंभीर हो गए।

दमकल विभाग ने समय रहते पाया आग पर काबू : घटना की सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारी और कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया। दमकल विभाग के कर्मी रमेश कुमार ने बताया कि पटसन के अवशेष में आग बेहद तेजी से फैलती है, इसलिए देर होने पर यह आग आसपास के क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले सकती थी। सबसे बड़ी चिंता यह थी कि घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर एक पेट्रोल पंप स्थित है। यदि लपटें वहां तक पहुंच जातीं, तो स्थिति भयावह हो सकती थी।

समय रहते आग पर काबू पाने से बड़ी दुर्घटना होने से बचा लिया गया।

गांजा पीने के दौरान गिरी चिंगारी से लगी आग : स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त की है कि आग की वजह असामाजिक तत्व हो सकते हैं, जो रात के समय उसी स्थान पर नशा करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अक्सर कुछ युवक वहां गांजा पीते दिखाई देते हैं।

संभव है कि इसी दौरान जलता हुआ गांजा या सिगरेट का टुकड़ा पटसन के अवशेष पर गिर गया हो। ठंड की शुरुआत और हल्की हवा की मौजूदगी ने आग को तेजी पकड़ने में मदद की होगी। दमकल कर्मी रमेश कुमार ने भी इस आशंका को सही बताया और कहा कि अवशेष पर फेंके गए जले पदार्थ से आग लगने की संभावना अधिक है।

क्षेत्र में पटसन की बड़े पैमाने पर होती है खेती : आग पर काबू पाने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम देर रात तक इलाके में डटी रही, ताकि आग दोबारा न भड़के। इस क्षेत्र में पटसन की खेती बड़े पैमाने पर होती है और अक्सर किसान इसके अवशेष सड़क किनारे छोड़ देते हैं, जो आग लगने की घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पर ध्यान देने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस व्यवस्था करने की मांग की है।

नवंबर से जनवरी तक 20 हजार जरूरतमंद लोगों के बीच बांटे जाएंगे गर्म वस्त्र

रांची, एजेंसी। सर्दी का मौसम है और रांची की दर्जनों सामाजिक संस्थाएं जरूरतमंदों को राहत देने के लिए आगे आने लगी हैं। लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल, भगवा नारी सेना, अग्रसेन हितकारिणी सभा, मारवाड़ी महिला मंच, जेसीआई उड़ान, रोटरी क्लब समेत 50 से अधिक संगठन ठंड से बचाव के लिए 20,000 से अधिक गरीबों के बीच कंबल, स्वेटर और गर्म कपड़ों का वितरण करने जा रहे हैं।

दिसंबर से जनवरी तक चलने वाले इन सेवा कार्यों में हजारों लोग लाभान्वित होंगे। अस्पतालों, झुग्गी-झोपड़ियों और स्कूलों में विशेष वितरण अभियान चलाकर इन संस्थाओं ने समाजसेवा की मिसाल पेश करने की तैयारी की है। सर्द रातों में ठिठुरते लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का यह अभियान रांची की मानवीय संवेदना और सहयोग की भावना को एक नया आयाम देगा।

लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल : दिसंबर की शुरुआत में होगा वितरण

अस्पतालों व कई क्षेत्रों में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया जाएगा। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों के लिए गर्म टोपी का वितरण किया जाएगा। संस्था के अमित शर्मा ने बताया कि करीब 500 कंबल और इतने ही गर्म कपड़े दिसंबर की शुरुआत में बांटे जाएंगे।

रोटरी क्लब : 15 दिसंबर से 15 जनवरी तक बंटेगा

जेसीआई उड़ान : ठंड बढ़ने पर बांटे जाएंगे कंबल

अग्रसेन हितकारिणी सभा : 20 से वितरण

मारवाड़ी महिला मंच : 20 नवंबर से होगी शुरुआत

20 नवंबर से पहले ही रांची के जरूरतमंद लोगों को चिह्नित कर 100 से अधिक कंबल का वितरण किया जाएगा।

संस्था की अध्यक्ष मधु सर्राफ ने कहा कि संस्था हमेशा की तरह कुछ स्कूलों में स्वेटर और टोपी भी वितरित करने की प्लानिंग कर रही है। क्लब द्वारा 15 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच रांची व आसपास की झुग्गी-झोपड़ियों के गरीबों के बीच 500 कंबल का वितरण किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि गर्म वस्त्र भी वितरण होगा।

संस्था के सौजन्य से ठंड पड़ने पर स्लम क्षेत्र व मंदिरों के बाहर जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़े और कंबल वितरण किया जाएगा। संस्था की सचिव प्रिया लाखोटिया ने बताया कि 400 कंबल बांटने की योजना है।

हजारीबाग निगम चुनाव: ओसीबी के लिए महापौर पद आरक्षित करने की तैयारी, नए चेहरे मचाएंगे हलचल!

हजारीबाग, एजेंसी। नगर निगम चुनाव को अब तक कोई औपचारिक घोषणा चुनाव आयोग की ओर नहीं की गई है, लेकिन चुनाव की आहट देखते हुए प्रत्याशियों की गहमागहमी बढ़ गई है। इस बार के निगम चुनाव में लोगों को कई नए चेहरे जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व वार्ड सदस्य भी मैदान में नजर आ सकते हैं।

बता दें कि वर्तमान में नगर निगम में महापौर, उपमहापौर और 36 वार्ड सदस्यों के लिए चुनाव होगा। हालांकि हाईकोर्ट के निर्देश के मुताबिक ट्रिपल टेस्ट के आधार पर अब तक आरक्षण रोस्टर वगैरह तैयार नहीं किया गया है।

बताते चलें कि राज्य में नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर नहीं कराए जाने की बात सामने आने के बावजूद महापौर और उप महापौर जैसे बड़े पद के उम्मीदवारों किसी बड़े राजनीतिक दल की बैसाखी लेकर ही इस वैतरणी को पार करना चाहते हैं।

वहीं वर्तमान में शहरी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी का दबदबा है, लेकिन कांग्रेस, झामुमो के अलावा अन्य पार्टियां जैसे सीपीआई, आजसू भी अपनी पार्टी के प्रभाव का इस्तेमाल महापौर और उप महापौर के चुनाव को प्रभावित करने के लिए करेंगे। यही कारण है कि अब महापौर और उप महापौर पद के संभावित उम्मीदवार भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य दलों का चक्कर लगाकर अपने लिए समर्थन जुटाने की मुहिम में जुट गए हैं।

वहीं शहर में विभिन्न सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज में अपना स्थान बनाने वाले लोग भी मैदान में कूदने के लिए तैयार हैं। हालांकि विगत चुनाव में उतरने वाले उम्मीदवार इस बार भी अपनी दावेदारी बरकरार रखना चाहते हैं।

सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक इस बार के नगर निगम चुनाव में महापौर का पद ओबीसी के लिए आरक्षित किया जा सकता है। जबकि उप महापौर को लेकर अब तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस जानकारी के बाद क्षेत्र के ओबीसी उम्मीद की बांछें खिल गई और वे उत्साहित होकर अपनी दावेदारी ठोकने के लिए आमदा दिख रहे हैं।

वहीं वार्ड पार्षद सदस्य की सीटों को लेकर कम मारामारी नहीं दिख रही है। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक पर्वू वार्ड पार्षद ने बताया कि यदि चुनाव में जाति आरक्षण आड़े नहीं आएगा तो महिला या पुरुष कोई भी पद हो वे चुनाव में अवश्य उतरेंगे। आखिर इतने दिनों से समाजसेवा किस खातिर किया है।

बता दें कि अब से करीब सात वर्ष पूर्व वर्ष 2018 में हुए नगर निगम चुनाव दलीय आधार पर कराया गया था। उस चुनाव में नगर निगम महापौर का सीट अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित था। जिस पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर रौशनी तिर्की महापौर की उम्मीदवार थी।

उन्होंने 35417 मत लाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के गुंजा देवी को 7711 मतों से पराजित किया था। जबकि उप महापौर के पद के लिए भाजपा के प्रत्याशी राजकुमार लाल थे और उन्होंने भी अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के आनंद देव को 6508 मतों से पराजित किया था।

इस प्रकार निगम सरकार की दोनों पदों पर भाजपा काबिज हो गई थी। हालांकि यदि इस बार इन पदों के लिए दलीय आधार पर चुनाव नहीं होगा, तो अधिक संख्या में प्रत्याशियों के उतरने से चुनाव घमासान हो सकता है।

जॉब सिक्योरिटी युवाओं को एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

वेब पत्रकारिता का चमकता भविष्य

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है।

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेजी से बढ़ा है और अपनी पहचान बना ली है। अखबारों की तरह बेव पत्र और पत्रिकाओं का जाल, अंतरजाल पर पूरी तरह बिछ चुका है। छोटे-बड़े हर शहर से अमूमन बेव पत्रकारिता संचालित हो रही है। छोटे-बड़े सभी शहरों के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया भी वेब पर हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में थोड़े ही समय में इसने बड़ा मुकाम पा लिया है। हालांकि समर अभी शेष है और भविष्य उज्जवल।

वेब पत्रकारिता को पेशा बनाने वालों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हिंदी इनस्क्रिप्ट की बोर्ड की जानकारी हो।
- यूनिकोड फॉंट तकनीकि पर काम करें।
- वेब पत्रकारिता के समाचार सूचनापरक होना चाहिए, वाक्य छोटे होने चाहिए।
- सर्च इंजन का की-वर्ड समाचार में कम से कम दो-तीन बार जरूर लायें।
- कुछ की-वर्ड समाचार के हेड-लाईन में भी जरूर लायें।
- समय का ख्याल रखें- आज, कल और परसो से बचें ।
- संस्था का नाम भी समाचार में जरूर लायें।
- तीसरे या चौथे पेराग्राफ के बाद समाचार का बैक-ग्राउंड दें ।
- तस्वीरें और ग्राफिक से पेज को सजायें।
- संदर्भ और स्रोत का भरपूर उपयोग करें।

क्या होती है वेब पत्रकारिता

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखन होते हैं। यही कार्य यदि इंटरनेट पर किया जाता है तो वेब पत्रकारिता कहलाता है।

खुबियाँ

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में, किसी भी दिन और किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं। यह ख़बरों का तीर्व्र माध्यम के रूप में भी स्वीकारा गया है।

चुनौती और समस्या

पहली बड़ी चुनौती कम्प्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में अभी भी वेब पत्रकारिता की पहुंच अगली पंक्ति में खड़े लोगों तक ही सीमित है। इधर के दिनों में यह मध्यम वर्ग तक भी आया है। जहां तक अंतिम कतार में खड़े लोगों तक पहुंचने की बात है तो अभी यह कोसों दूर है। हालांकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कंपनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के समक्ष तकनीकी ज्ञान की है। अन्य चुनौती के रूप में वेब पत्रकारिता में सबसे बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी है। आज लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि लोगों के लिए समाचारों की विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा है। यह वेब पत्रकारिता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य

आज वेब-संस्करण चलाने बाली समाचार-पत्र और पत्रिकाओं की संख्या कम है। भविष्य में हर पत्र-पत्रिका ऑन-लाईन होगी। साथ ही साथ स्वतंत्र न्यूज पोर्टल की संख्या में भी वृद्धि होगी। यह आसार लगाया जा रहा है कि समाचार-पत्र घाटे से बचने के लिए प्रिंट संस्करण बंद कर ऑन-लाईन से अपनी सेवा जारी रखेगा। बात स्पष्ट है कि जिस पत्र का लक्षित समूह उच्च वर्ग है और जिनके पास इंटरनेट आसानी से उपलब्ध है, वह धीरे-धीरे प्रिंट संस्करण बंद कर पूर्ण रूप से ऑन-लाईन हो जायेगा।

विस्तृत दायरा

वेब पत्रकारिता की पहुंच एक निश्चित भौगोलिक सीमा तक नहीं है अपितु इसकी पहुंच वैश्विक है। वेब पत्रकारिता करने वालों का दायरा बहुत बड़ा हो जाता है। उनकी ख़बर एक पल में सारी दुनिया में पहुँच जाती है जो कि अन्य समाचार माध्यमों में संभव नहीं है।

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस में स्कोप

जब पैकेज की बात आती है, तो एमबीए सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक के रूप में सामने आता है। तेज गति से हो रहे विकास और आर्थिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए ऐसे पाठ्यक्रमों की जरूरत महसूस हो रही है, जो विद्यार्थियों को इन बदलते हालात के अनुसार तैयार कर सकें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस जैसे कोर्स सामने आए हैं। यदि कोई विद्यार्थी मैनेजमेंट में रुचि रखता है और दुनिया भर में घूमने का इरादा भी रखता है, तो उसके लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है।

क्या है एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस?

बढ़ते भूमंडलीकरण और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। अनेक कंपनियां, जो विदेशों में अपना व्यवसाय फैलाना चाहती हैं, ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस संभालने में कुशल हों और साथ ही किसी बिजनेस के लिए उपयोगी सिद्धांतों व अवधारणाओं से अवगत हों। विदेशों में व्यवसाय फैलाने में कई तरह के जोखिम होते हैं। इसलिए कंपनियां ऐसे उम्मीदवारों को ही पसंद करती हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल बिजनेस पढ़ा है। यह कोर्स ग्लोबल स्तर पर मौजूद संसाधनों की समझ विकसित करता है। इसमें यह सिखाया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय फर्मों की क्या जरूरतें होती हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। करियर के लिहाज से इसमें उपलब्ध अवसर और एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस की डिग्री वाले उम्मीदवारों को मिलने वाला पैकेज इस फील्ड को बेहद आकर्षक बना देता है। साथ ही इसमें दुनिया के विभिन्न देशों में घूमने और जहां भी अच्छा ऑफर मिले, वहां बस जाने का मौका मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए करने के बाद आपके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों हेतु काम करने के द्वार खुल जाते हैं। आपको अंतरराष्ट्रीय बाजार और आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी तमाम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

यहां से करें कोर्स

यह कोर्स कराने वाले प्रमुख भारतीय संस्थान हैं - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, जेके बिजनेस स्कूल, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, एशिया-पैसिफिक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट आदि। इन भारतीय संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इसके अलावा यह डिग्री कराने वाले प्रमुख विदेशी संस्थान इस प्रकार है - आईएनएसईएडी (सिंगापुर), हारवर्ड बिजनेस स्कूल (अमेरिका), व्हार्टन स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया (अमेरिका), लंदन बिजनेस स्कूल (ब्रिटेन) आदि।

कहां मिलेगी जॉब?

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस कर चुके उम्मीदवारों को जॉब देने के मामले में अग्रणी भारतीय कंपनियां इस प्रकार है - कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, विप्रो, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस आदि। विदेशी संस्थानों की बात करें तो यहां आपको अच्छे ऑफर मिल सकते हैं:- यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, वॉलमार्ट, जेपी मॉर्गन, मर्क आदि।

क्या सिविल सर्विसेस आपका पैशन है?

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

आईपीओ में ऊंचे भाव पर बेचे गए शेयरों का मामला पकड़ रहा तूल

नई दिल्ली, एजेंसी। नायका, पेटीएम और लेंसकार्ट जैसे आईपीओ में ऊंचे भाव पर बेचे गए शेयरों का मामला अब तूल पकड़ रहा है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने कहा, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्यांकन कोई नियामकीय कमी नहीं है। लेकिन हमें यह देखना होगा कि खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए हम किस तरह से और अधिक सुरक्षा उपाय कर सकते हैं। बृहस्पतिवार को ही सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने भी आईपीओ में शेयरों के ऊंचे मूल्य को लेकर चिंता जताई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि आईपीओ मूल्यांकन में नियामक हस्तक्षेप नहीं करेगा।।इससे पहले विश्लेषकों और बड़े निवेशकों ने भी लेंसकार्ट आईपीओ के ऊंचे भाव को लेकर सवाल उठाया था। लेंसकार्ट का इश्यू 382-402 रुपये के भाव पर आया था। लिस्टिंग के बाद इसकी पूंजी 69,700 करोड़ रुपये होगी। यह 28.26 गुना भरा था। कमलेश वार्ष्णेय ने मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा कि बाजार नियामक का पूंजीगत मुद्दे के नियंत्रण से दूर जाना एक सही कदम है, लेकिन एंकर निवेशकों की ओर से मूल्यांकन उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह एक नियामक अंतर है, लेकिन यह विचार के लिए अच्छा है। चाहे इस समय किया जा रहा मूल्यांकन सही हो या नहीं। हमने देखा है कि बहुत सारे आईपीओ आ रहे हैं, जहां खुदरा निवेशक मूल्यांकन को लगातार चुनौती दे रहे हैं। वार्ष्णेय ने कहा, जब एंकर निवेशक मूल्यांकन कर रहे हों, तो सेबी को खुद को इससे दूर रखना चाहिए। जो वह कर रहा है और जो शायद सही भी है, लेकिन इस स्थिति से समझौता किए बिना हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि एंकर निवेशकों द्वारा मूल्यांकन भी उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो रहा है। हमें अल्पसंख्यक शेयरधारकों से बहुत सारी शिकायतें मिल रही हैं कि उनके हितों से समझौता किया गया है। यह एक और नियामकीय कमी है और मेरी राय में शायद सेबी को भविष्य में इस पर काम करना होगा।

अमेरिका में एयरपोर्ट्स का दिल्ली से भी बुरा हाल, 1200 से अधिक फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन का असर अब आम लोगों पर भी पड़ने लगा है। शुक्रवार को इसकी वजह से 1,200 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। इससे यात्रियों को परेशानी हुई। थैंक्सगिविंग हॉलिडे में अब कुछ ही हफ्ते रह गए हैं और अगर शटडाउन जल्दी खत्म नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में यह परेशानी और बढ़ सकती है। यह फ्लाइट कैंसिलेशन धीरे-धीरे होने वाली कटौती का पहला चरण है। यह 4 प्रतिशत से शुरू हुई है और अगले हफ्ते 10 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी अमेरिकन एयरलाइंस ने 220 फ्लाइट्स रद्द कीं। डेल्टा ने भी करीब 170 फ्लाइट्स कम कर दीं जबकि साउथवेस्ट एयरलाइंस ने लगभग 100 फ्लाइट्स कैंसिल कर दीं ।फ्लाइट अवेर के अनुसार गुरुवार को 6,800 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं और 200 फ्लाइट्स रद्द भी हुईं। शटडाउन के कारण कई कर्मचारी बिना सैलरी के काम कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स पर काम का बोझ कम करने के लिए फ्लाइट्स में कटौती करने को कहा था। अटलांटा, नेवार्क, डेनवर, शिकागो, ह्यूस्टन और लॉस एंजिल्स जैसे एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। सरकारी शटडाउन की वजह से कई सरकारी कर्मचारी या तो घर भेज दिए गए हैं या बिना तनख्वाह के काम कर रहे हैं।

वर्ल्ड बैंक ने भी माना, फाइनेंशियल सिस्टम पहले से ही मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनना है, तो उसे फाइनैंशल सेक्टर में सुधारों को और तेजी देनी होगी। साथ ही, निजी पूंजी जुटाने को भी बढ़ावा देना होगा। वर्ल्ड बैंक की फाइनेंस सेक्टर असेसमेंट रिपोर्ट में यह माना गया है कि भारत के वर्ल्ड क्लास डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकारी प्रोग्राम्स ने पुरुषों और

महिलाओं दोनों के लिए वित्तीय सेवाओं की पहुंच को काफी बेहतर बनाया है।

रिपोर्ट में खास तौर पर महिलाओं के लिए बैंक खातों के इस्तेमाल को और बढ़ावा देने के लिए भी सुझाव दिए गए हैं। इसके अलावा आम लोगों और एमएसएमई (छोटे और मझोले कारोबार) के लिए अलग-अलग तरह के फाइनैंशल प्रोडक्ट्स तक पहुंच आसान बनाने की भी बात कही गई है।

पिटल मार्केट की बड़ी ताकत

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि 2017 के पिछले असेसमेंट के बाद से भारत का फाइनैंशल सिस्टम ज्यादा मजबूत, डायवर्सिफाइड और समावेशी हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तमाम सुधारों ने भारत को 2010 के दशक की मुश्किलों और कोरोना महामारी के असर से उबरने में मदद की। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत आईएमएफ वर्ल्ड बैंक की जॉइंट टीम द्वारा किए गए फाइनैंशल सेक्टर के इस मूल्यांकन का स्वागत करता है।कि पिछले एफएसएपी के बाद से कैपिटल मार्केट (इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉरपोरेट बॉन्ड) जीडीपी के 144 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 175 प्रतिशत हो गया है।

अनिल अंबानी की एक साल पुरानी कंपनी में इस्तीफों की झड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनकी कंपनी रिलायंस पावर के रिन्यूएबल एनर्जी वेंचर रिलायंस एन यू एनर्जीज में हालात ठीक नहीं हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्च होने के करीब एक साल के अंदर ही कंपनी के सीईओ मयंक बंसल और सीओओ राकेश स्वरूप ने इस्तीफा दे दिया है। ये दोनों ही रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की बड़ी कंपनी नवीकरण से आए थे। इन दोनों बड़े अधिकारियों के अलावा, करीब एक दर्जन और एग्जीक्यूटिव्स ने भी कंपनी छोड़ दी है। यह सब तब हो रहा है जब अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई है। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 7,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति फ्रीज की थी। इसमें ऑफिस, घर और 132 एकड़ से ज्यादा जमीन शामिल है। इंडस्ट्री के एक सूत्र ने बताया कि अनिल अंबानी ग्रुप में चल रही उथल-पुथल के कारण एन यू एनर्जी यूनिट से कई लोगों ने नौकरी छोड़ दी है। ऐसे में नए लोगों को ढूंढने में थोड़ा समय लग सकता है। मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि रिलायंस पावर के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए बताया कि मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने 30 सितंबर को इस्तीफा दिया था ताकि वे अपने खुद के नए बिजनेस शुरू कर सकें।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा आए हैं खाने, न कोई बिजनेस डिग्री न कोई निवेशक

अनुभव के बिना खड़ा किया बेन्ने डोसा का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी।
यह कहानी है फिल्म प्रोड्यूसर अखिल अय्यर और साइकॉलोजिस्ट श्रिया नारायण की। दोनों को डोसा कुछ ज्यादा ही पसंद था। वह कामकाज के सिलसिले में अपना घर छोड़ कर मुंबई शिफ्ट हुए। लेकिन वह अक्सर ऑथेंटिंक अपने पसंदीदा डोसे के लिए भटकते रहते थे। उन्हें यह मिला नहीं। बस उन दोनों ने मिल कर मुंबई में ही एक ऐसा डोसा कैफे बना दिया जहां आप ऑथेंटिक बेंगलुरु डोसा का आनंद ले सकते हैं। उनका कैफे इतना फेमस हुआ कि वहां क्रिकेट विराट कोहली, रोहित शर्मा ही नहीं बल्कि फिल्म एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और दीपिका पादुकोण भी डोसा खाने पहुंचे हैं।

इस रेस्टोरेंट की कहानी के पीछे एक ऐसा कपल है जिनके पास मैनेजमेंट की कोई डिग्री नहीं थी, न ही कोई निवेशक उनके पीछे खड़ा था। यहां तक कि उनके पास रेस्टोरेंट चलाने का कोई अनुभव भी नहीं था। उनके पास बस एक ऐसी रेसिपी थी जिसका स्वाद घर जैसा था और एक ऐसा विश्वास था जो उनकी ज़िंदगी बदल सकता था। मुंबई के इस जोड़े ने, जो कभी शहर में अपने पसंदीदा दावणगेरे-स्टाइल डोसा को ढूंढने के लिए संघर्ष करते थे, एक ऐसा फ़ूड ब्रांड बनाया है जो अब हर महीने लगभग 1 करोड़ कमाता है। बिना एमबीए, रेस्टोरेंट के अनुभव या किसी निवेशक की फंडिंग के, अखिल अय्यर और श्रिया नारायण ने अपनी अच्छी-खासी नौकरियां छोड़ीं और एक छोटा सा डोसा कैफे खोला, जो अब एक वायरल सक्सेस स्टोरी बन गया है।

स्वाद की चाहत जिसने एक आइडिया को जन्म दिया: शादी के तुरंत बाद, यह जोड़ा मुंबई आ गया। वहां उन्हें बचपन में खाये अपने घर के स्वादिष्ट, कुरकुरे डोसे की याद आने लगी। पूरे शहर में ढूंढने के बावजूद, उन्हें बेंगलुरु-स्टाइल का ऑथेंटिक स्वाद कहीं नहीं मिला। यह निराशा उनके लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने हार मानने के बजाय, खुद ही वह स्वाद बनाने का फैसला किया। अब सवाल उठा कि बचपन में खाये डोसा बनाना सिखाएगा कौन? तब अखिल ने बेंगलुरु का रूख किया। वहां के एवेन्यू रोड स्थित एक सीजंड डोसा मास्टर से इसे बनाने की ट्रेनिंग ली। उन्होंने वहां बेन्ने डोसा बनाने के लिए परफेक्ट बैटर बनाना सीखा, उसमें खमीर उठाने के लिए कितने समय तक रखना होगा, किस टैम्परेचर पर डोसा बनाएं तो करारा बनेगा आदि का लेसन सीखा। उसके बाद मुंबई लौट आए। इस सफलता के दम पर, जोड़े ने अपने पहले आउटलेट, बांद्रा में सफलता के बाद, जुहू में दूसरा आउटलेट भी खोला। इस बात का प्रमाण बन गई है कि साहस और निरंतरता औपचारिक योग्यता और बड़े पूंजी से ज़्यादा मायने रखती है। संस्थापकों का कहना है कि उनकी सफलता एक साधारण विश्वास से आई- घर के स्वाद के प्रति सच्चे रहें और ग्राहक वापस ज़रूर आएंगे।

किचन के प्रयोगों से एक आरामदायक कैफे तक

मुंबई पहुंच कर तुरंत कैफे शुरू नहीं हो पाए। क्योंकि बिना किसी हॉस्पिटैलिटी अनुभव या औपचारिक ट्रेनिंग के, इस जोड़े ने अपने बैटर और चटनी को परफेक्ट बनाने में ही महीनों लगाए। उन्होंने कर्नाटक से खास भारी कास्ट-आयरन तवे मंगवाए ताकि उस पर डोसा सिंक कर वैसा ही कुरकुरा बन सके, जैसा वे बचपन में खाते थे। बहुत सारे ट्रायल और एरर के बाद, उन्होंने मई 2024 में बेन्ने नाम से 12 सीटों वाला एक कैफे खोला। उनका ध्यान सिर्फ सादे, ताज़े डोसे पर था, बिना किसी फैंसी प्लेटिंग या फ्यूजन ट्विस्ट के। इस रेस्टोरेंट में मेनू छोटा रखा गया, खाना असली स्वाद वाला था, और ग्राहक लाइन लगाकर खड़े रहते थे। वह टेबल खाली होने का इंतजार शांति से करते थे। उनके ग्राहकों में ऑफिस जाने वाले लोग, विद्यार्थी और खाने के शौकीन सभी शामिल थे। ये लोग इस जगह पर उमड़ने लगे, जिससे यह छोटा सा काउंटर एक चर्चा का विषय बन गया। आज, यह कैफे हर दिन लगभग 800 डोसे बेचता है, जिनकी कीमत ?250 से ?300 है। उनकी मासिक कमाई ?1 करोड़ तक पहुंच जाती है। सेलिब्रिटीज़ ने भी इस कैफे पर ध्यान दिया। साल 2024 में, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा बेन्ने डोसा कैफे में आए। उनके आने से कैफे की लोकप्रियता और बढ़ गई। इसके बाद क्रिकेटर रोहित शर्मा, फिल्मी सितारे रणबीर सिंह, दीपिका पादुकोण जैसे सेलिब्रेटी की कतार लग गई।

कंपनी का रेवेन्यू पहली बार 15,000 करोड़ रुपये के पार

बजाज ऑटो का शेयर 53 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली, एजेंसी।
दोपहिया और तिपहिया गाड़ियां बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो ने शुक्रवार को अपना दूसरी तिमाही का रिजल्ट घोषित कर दिया। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 53 प्रतिशत बढ़कर 2,122 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी अवधि में यह 1,385 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 19 प्रतिशत बढ़कर 15,735 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 13,247 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि उसका रेवेन्यू 15,000 करोड़ रुपये के पार जाकर एक नया रिकॉर्ड बना है। इस दौरान कंपनी की महंगी गाड़ियों की ज्यादा बिक्री हुई और साथ ही स्पेयर पार्ट्स की सेल भी सबसे अच्छी रही।

कंपनी ने कहा कि उसके सभी बिजनेस अच्छा कर रहे हैं। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 4 प्रतिशत कम हुआ है। पिछली तिमाही में मुनाफा 2,210 करोड़ रुपये था। वहीं, इस तिमाही में रेवेन्यू पिछली तिमाही से 20 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में यह 13,133 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि उसका स्टैंडअलोन ईबीआईटीडीए पहली बार 3,000 करोड़ रुपये के पार गया है। ईबीआईटीडीए मार्जिन बढ़कर 20.5 प्रतिशत हो गया है।

घरेलू मोटरसाइकिल सेगमेंट खासकर स्पोर्ट्स सेगमेंट में कंपनी की बिक्री बढ़ी है। बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 5,96,576 यूनिट रही, जो पिछले साल की इसी अवधि के 6,36,801 यूनिट से 6 प्रतिशत कम है। हालांकि, पिछली तिमाही के मुकाबले यह 13 प्रतिशत ज्यादा है। कमर्शियल वाहनों की बिक्री 1,44,217 यूनिट रही, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1,39,910 यूनिट से 3 प्रतिशत ज्यादा है।

इस दौरान निर्यात में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने दूसरी तिमाही में 5,53,327 गाड़ियां एक्सपोर्ट कीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के 4,44,793 यूनिट से 24 प्रतिशत ज्यादा है। पिछली तिमाही के मुकाबले निर्यात में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 0.09 प्रतिशत तेजी के साथ 8724.20 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 10,189.95 रुपये और न्यूनतम स्तर 7,088.25 रुपये है।

2027 तक भारत कैसे बनेगा 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए कई कदम उठाने होंगे। इनमें प्रमुख रूप से वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और गति देने व निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत द्वारा सहकारी बैंकों पर नियामक प्राधिकरण का विस्तार करने की जरूरत है। प्रमुख नियमों को कड़ा करना व प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए नियामक और पर्यवेक्षी विभागों का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। एजेंसी ने एनबीएफसी के लिए पैमाना आधारित विनियमन का भी स्वागत किया है, जो इस विविध उद्योग की विभिन्न जरूरतों को पहचानता है। बैंकों और एनबीएफसी की बेहतर निगरानी के लिए ऋण जोखिम प्रबंधन ढांचे को और मजबूत करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एफएसएपी के बाद से पूंजी बाजार (इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉरपोरेट बॉन्ड) जीडीपी के 144 फीसदी से बढ़कर 175 फीसदी हो गए हैं। इन लाभों को एक मजबूत पूंजी बाजार बुनियादी ढांचे और विविध निवेशक आधार का समर्थन प्राप्त है। रिपोर्ट में अधिक पूंजी जुटाने के लिए ऋण वृद्धि तंत्र, जोखिम साझाकरण सुविधाएं और प्रतिभूतिकरण प्लेटफॉर्म विकसित करने का सुझाव दिया गया है।

हर 2 सेकंड में एक कार और हर सेकंड 3 दोपहिया!

इस फेस्टिव सीजन ऑटो कंपनियों की हो गई चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी।
फेस्टिव डिमांड और जीएसटी रेट्स में कटौती का सबसे ज्यादा फायदा ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को हुआ है। इस त्योहारी मौसम में करीब 7,67,000 पैसेंजर गाड़ियां बिकीं। इनमें कार , एसयूवी और वैन शामिल हैं। 42 दिन के इस फेस्टिव सीजन में करीब 40.5 लाख दोपहिया गाड़ियां भी बिकीं। इनमें मोटरसाइकिल, स्कूटर और मोपेड शामिल हैं। इसका मतलब है कि हर दिन औसतन 18,261 गाड़ियां और 96,500 दोपहिया वाहन बिके।

इंडस्ट्री की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो कंपनियों के लिए यह अब तक का सबसे अच्छा त्योहारी सीजन साबित हुआ। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर और सीओओ तरूण गर्ग बताते हैं कि जीएसटी रेट्स में कमी की उम्मीद में लोगों ने खरीदारी रोककर रखी थी। 22 सितंबर को नवरात्रि के पहले दिन से जैसे ही जीएसटी के नए रेट्स लागू हुए, बड़ी संख्या में लोग गाड़ियों के शोरूम पहुंचे। इस कारण डीलरों को अपने शोरूम सामान्य से कहीं ज्यादा देर तक खुले रखने पड़े। हालत यह हो गई कि डीलरों के पास गाड़ियों की डिलीवरी देने के लिए समय कम पड़ गया।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक इस साल त्योहारी सीजन में पीवी सेगमेंट में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जबकि

दोपहिया वाहन सेगमेंट में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। बिक्री में इस उछाल से कमाई भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अनुमान है कि क्क्ष् सेगमेंट से 76,700 से 84,400 करोड़ रुपये का टर्नओवर हुआ। वहीं, दोपहिया वाहन सेगमेंट से 36,500 से 40,500 करोड़ रुपये का टर्नओवर हुआ। कार की कीमत औसत कीमत 10 से 11 लाख रुपये और दोपहिया वाहन की 90,000 हजार से 1 लाख रुपये रही। ग्रामीण बाजारों में गाड़ियों की बिक्री में 3 गुना और दोपहिया वाहनों की बिक्री में 2 गुना ग्रोथ देखी गई। अच्छी बारिश के कारण फसलें अच्छी हुईं और गाड़ियों के लिए फाइनेंस आसानी से उपलब्ध हो गया। इन सब वजहों से ऑटोमोबाइल कंपनियों को ग्रामीण मांग का भरपूर फायदा मिला। वित्तीय वर्ष 2026 में पहली बार ग्रामीण इलाकों से कार और एसयूवी की बिक्री का हिस्सा 40 प्रतिशत को पार कर गया और यह लगभग 42 प्रतिशत पर पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2024 और 2025 में ग्रामीण बाजारों का औसत हिस्सा 38 प्रतिशत था।

ग्रो के आईपीओ पर टूटे निवेशक, 18 गुना सब्सक्रिप्शन लेकिन घट गया जीएमपी

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के प्रमुख रिटेल इनवेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ग्रो के आईपीओ में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। कंपनी ने अपने आईपीओ के आखिरी दिन 17.6 गुना सब्सक्रिप्शन हासिल किया। इसका मतलब है कि कंपनी ने जितने शेयर बिक्री के लिए रखे गए थे, उससे लगभग 17.6 गुना ज्यादा लोगों ने उन्हें खरीदने की इच्छा जताई। कुल मिलाकर 641.86 करोड़ रुपये के बिड मिले, जबकि 36.47 करोड़ शेयर ही ऑफर पर थे।

रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स कैटगरी में इसे 9.43 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इस कैटगरी में 6.63 करोड़ शेयर रिजर्व थे। नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स में इसे 14.20 गना सब्सक्रिप्शन

मिला जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 22.02 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। हालांकि, ग्रे मार्केट में ग्रो के आईपीओ का प्रीमियम थोड़ा नरम पड़ गया है। ग्रो आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम अब महज 5 रुपये रह गया है। यह इश्यू प्राइस (100 रुपये) से करीब 5 प्रतिशत ज्यादा है। इससे यह उम्मीद लगाई जा रही है कि शेयर लिस्टिंग के समय लगभग 105 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। यह प्रीमियम पहले 14.5 प्रतिशत था। बेंगलुरु की कंपनी ग्रो के आईपीओ में 1,060 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 5,572 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल शामिल है। फ्रेश इश्यू से मिले पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, ब्रांड बनाने और मार्केटिंग पर खर्च करने के लिए करेगी। इस आईपीओ को कोटक महिंद्रा कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटीग्रुप, एक्सिस कैपिटल और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स मिलकर मैनेज कर रहे हैं। आईपीओ में बोली 4 नवंबर 2025 को शुरू हुई और 7 नवंबर 2025 को बंद हुई। शेयरों के अलॉटमेंट का आधार 10 नवंबर 2025 को फाइनल होने की उम्मीद है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर 12 नवंबर 2025 को लिस्ट हो सकते हैं। ग्रो की स्थापना 2017 में फ्लिपकार्ट के पूर्व एग्जीक्यूटिव ललित केशरे, हर्ष जैन, ईशान बंसल और नीरज सिंह ने की थी। यह तेजी से भारत का सबसे बड़ा रिटेल इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म बन गया है। जून 2025 तक, इसके 47.9 मिलियन (4.79 करोड़) एक्टिव ह्स्थ यजर्स थे।

महिला वनडे विश्व कप 2029 के लिए आईसीसी ने टीमों की संख्या बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में आयोजित महिला वनडे विश्व कप 2025 में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 8 थी। 2029 में होने वाले अगले महिला वनडे विश्व कप के लिए आईसीसी ने टीमों की संख्या बढ़ाने की घोषणा की है। आईसीसी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, फ्आईसीसी बोर्ड, महिला विश्व कप 2025 की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए अगले टूर्नामेंट में टीमों की संख्या 8 से बढ़ाकर 10 करने पर सहमत है। हाल में संपन्न विश्व कप में लगभग 300000 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर मैच

देखे। यह किसी भी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में दर्शकों की उपस्थिति का नया रिकॉर्ड है। ऑन-स्क्रीन दर्शकों की संख्या भी दुनिया भर में करीब 50 करोड़ रही, जो नया रिकॉर्ड है।फ् टीमों की संख्या बढ़ाने का फैसला शुक्रवार को दुबई में हुई बोर्ड की बैठक में लिया गया। फैसले का उद्देश्य महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना है। 2 नई टीमों के आने से निश्चित रूप से प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा और रोमांच बढ़ेगा। साथ ही दर्शकों की संख्या भी बढ़ेगी। टीमों की संख्या बढ़ने से आयरलैंड जैसी टीम को विश्व कप खेलने का मौका मिल सकता है जिसने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। महिला विश्व कप 2025 में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने शिरकत की। मैच राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेले गए। भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची थीं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को और दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। 2 नवंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता। भारतीय महिला टीम आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली एशिया की पहली टीम है। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड पूर्व में विजेता रहे हैं।

अनिसिमोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में सबालेंका

रयबाकिना से होगा सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्यना सबालेंका ने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से शिकस्त दी। इसी के साथ सबालेंका ने डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियनशिप के लिए एलेना रयबाकिना के खिलाफ मुकाबले में जगह बना ली है। अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ शुरुआती दौर में तनावपूर्ण मुकाबले के बाद मैच सबालेंका के पक्ष में झुकने लगा। उन्होंने अपने पहले सेट को 6-3 से जीता। आर्यना सबालेंका दूसरे सेट की शुरुआत में ही लय खो बैठीं,

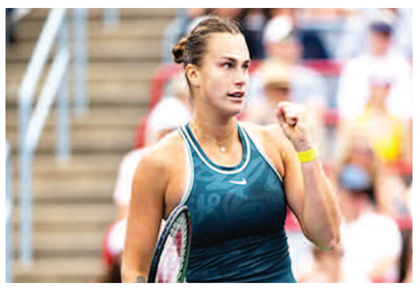

जिसका फायदा उठाते हुए अनिसिमोवा ने 4-0 की बढ़त बना ली। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि मुकाबला निर्णायक सेट की ओर बढ़ रहा है। इस सेट को अनिसिमोवा ने 6-3 से अपने नाम किया। सबालेंका ने तीसरे सेट में अपनी लय फिर से हासिल की। उन्होंने लगातार ऐस लगाकर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। इसके बाद एक जबरदस्त बैकहैंड लगाकर निर्णायक ब्रेक हासिल किया। सबालेंका को शुरुआत में कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट को 6-3 से अपने नाम करते हुए फाइनल में जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, रयबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया, जिससे उनका अपराजेय क्रम बरकरार रहा है।

फीडे विश्व कप शतरंजः मैराथन टाईब्रेक जीतकर प्रज्ञानंदा तीसरे दौर में

निहाल सरीन हुए बाहर

गोवा, एजेंसी। फीडे विश्व कप 2025 के दूसरे दौर के टाईब्रेक मुक़ाबले में कई रोमांचक मुकाबलों के बीच कई दिग्गज खिलाड़ी विश्व कप से बाहर हो गए तो कई नें किसी तरह अपनी जगह अगले दौर में बना ली । आज सबसे ज्यादा नजरे थी भारत के आर प्रज्ञानन्दा पर जो प्रतियोगिता के तीसरे वरीय खिलाड़ी होने के साथ ही पिछ्ले बार के विश्व कप उपविजेता भी है पर आज दो बार समय ऐसा आया जब प्रज्ञानंदा विश्व कप से बाहर होने की कगार पर पहुँच गए थे । औस्ट्रेलिया के टेमुर कुयबोकोरोव से दोनों क्लासिकल बाज़ियाँ ड्रॉ होने के बाद आज पहले टाईब्रेक में 15 मिनट के रैपिड मुक़ाबले में पहली बाजी ड्रॉ रही और दूसरी बाजी में प्रज्ञानन्दा नें सफ़ेद मोहरो से एक भारी भूल की और वह बाजी हारने के बेहद करीब पहुँच गए , पर किसी तरह एंडगेम में एक मोहरो कम होते हुए भी उन्होने अपने घोड़े और वजीर से राजा को ऐसा फसाया की बाजी ड्रॉ पर समाप्त हो गयी और

पहले टाईब्रेक के बाद स्कोर 2-2 हो गया , तीसरे टाईब्रेक में 10 मिनट के दो रैपिड में प्रज्ञानन्दा पपहली बाजी हार गए और 3-2 से पीछे हो गए दूसरी बाजी में करो या मरो की स्थिति में उन्होने जीत दर्ज की और दूसरे टाईब्रेक के बाद स्कोर 3-3 हो गया । अंत में आखिरकार उन्होने तीसरे टाईब्रेक की दोनों 5 मिनट की ब्लिट्ज़ बाज़ियाँ जीतकर 5-3 से टाईब्रेक जीत लिया और तीसरे राउंड में प्रवेश कर गए । भारत के विदित गुजराती नें अर्जेन्टीना के शतरंज के मेसी कहे जाने वाले फ़ौस्तीनों औरो को टाईब्रेक में 2.5-1.5 से पराजित करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया ।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों में निहाल सरीन का विश्व कप से बाहर होना सबसे बड़ी खबर रही वह दिव्या देशमुख को पराजित करने वाले ग्रीस के अरदीतिस कोरकोलूस से 1.5-0.5 से टाईब्रेक हार गए और पहले टाईब्रेक के बाद ही विश्व कप से बाहर हो गए ।

आंध्र प्रदेश ने महिला क्रिकेटर श्री चरणी को दिया बड़ा इनाम

2.5 करोड़ रुपए नकद पुरस्कार ये सब भी मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तेलुगु क्रिकेटर श्री चरणी के लिए एक बड़े इनाम की घोषणा की। श्री चरणी उस भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य हैं जिसने हाल ही में वर्ल्ड कप जीता है।

मुख्यमंत्री ने भारत की ऐतिहासिक जीत में उनके शानदार प्रदर्शन और योगदान को देखते हुए उन्हें 2.5 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार, घर बनाने के लिए कडप्पा में 1,000 स्क्वायर गज जमीन और राज्य सरकार में ग्रुप-1 ऑफिसर का पद देने की घोषणा की। सुश्री श्री चरणी ने मुख्यमंत्री और आईटी और मंत्री नारा लोकेश से सीएम कैंप ऑफिस में मुलाकात की, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बातचीत के दौरान सुश्री श्री चरणी ने वर्ल्ड कप जीत के खुशी के पलों को साझा किया और प्रोत्साहन और समर्थन के लिए मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्हें बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तारीफ की और कहा कि उन्होंने भारतीय महिलाओं की ताकत और काबिलियत दिखाई है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत ने देश भर की महत्वाकांक्षी महिला एथलीटों के लिए एक मजबूत मिसाल कायम की है। उन्होंने सुश्री श्री चरणी और टीम को भविष्य के टूर्नामेंट में और भी ज्यादा सफलता की शुभकामनाएं दीं।

हॉगकॉग सुपर सिक्ससः

पाकिस्तान से जीत के बाद कुवैत से हारा भारत

- 36 गेंदों पर बनाने थे 107 रन, इस स्कोर पर निपट गई कार्तिक की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दिनेश कार्तिक की कप्तानी में हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेज में अपनी शुरुआत शानदार की थी और पाकिस्तान को पहले मैच में 2 रन से हरा दिया था, लेकिन दूसरे मैच में भारत को कुवैत के हाथों बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा। कुवैत के खिलाफ भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुई। कुवैत ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए 36 गेंदों पर यानी 6 ओवर में ही 5 विकेट पर 106 रन कूट डाले। भारत को जीत के लिए 107 रन का टारगेट मिला था, लेकिन दिनेश कार्तिक की टीम 5.4 ओवर में 6 विकेट पर 79 ही बना पाई और उसे 24 रन से हार मिली।

भारत की खराब बल्लेबाजी, मिली हार- कुवैत के खिलाफ भारत की बैटिंग काफी खराब रही और इस टीम के सभी बल्लेबाज आउट हो गए। ओपन करने आए रॉबिन उथप्पा जो पाकिस्तान के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच बने थे इस मुकाबले में डक पर आउट हो गए और इस प्रेशर से भारत निकल ही नहीं पाया।

महिला क्रिकेटर ने पूर्व चयनकर्ता पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश महिला क्रिकेट में एक बार फिर बवाल मचा है। टीम की अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ जहानारा आलम ने लंबे मौन के बाद कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जिन्होंने पूरे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को हिला कर रख दिया है। जहानारा का दावा है कि उन्हें वर्षों से टीम मैनेजमेंट के कुछ सदस्यों द्वारा लगातार अपमान, अनुचित प्रस्ताव और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

वरिष्ठ अधिकारी और दिवंगत तौहीद महमूद का भी नाम

तेज़ गेंदबाज़ ने एक और बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि दिवंगत तौहीद महमूद, जो बीसीबी से जुड़े थे, ने भी उनके प्रति अनुचित व्यवहार किया। जहानारा का कहना है कि तौहीद ने बीसीबी कर्मचारी सरफराज बाबू के ज़रिए उन्हें प्रस्ताव भिजवाया था। उनके मुताबिक, जब मैंने ऐसे प्रस्तावों को नकारा, तो उसी वक्त से मेरे साथ दुर्व्यवहार शुरू हो गया। मुझे नीचा दिखाया गया, अपशब्द कहे गए, और टीम के भीतर मेरा माहौल बिगाड़ा गया।

मानसिक संघर्ष के बीच चुप्पी तोड़ी

मानसिक स्वास्थ्य कारणों से क्रिकेट से ब्रेक ले चुकीं जहानारा ने पहली बार सार्वजनिक रूप से कहा कि 2022 महिला विश्व कप के दौरान उन्हें टीम के एक अधिकारी द्वारा अश्लील प्रस्ताव मिला था। उनका आरोप है कि पूर्व चयनकर्ता और टीम मैनेजर मंजुरुल इस्लाम ने उन्हें आगे बढ़ने का मौका देने के बदले 'निजी एहसान' मांगने की कोशिश की। जहानारा ने कहा, हम खिलाड़ी हैं, हमारी पहचान हमारे खेल से होती है। लेकिन जब अपने ही संस्थान के लोग आपको असुरक्षित महसूस कराएं, तो बोलना मुश्किल हो जाता है। कई बार चाहकर भी हम विरोध नहीं कर पाते क्योंकि करियर दांव पर होता है।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी

ताई जु यिंग ने बैडमिंटन से संन्यास लिया

पीवी सिंधू ने दी मार्मिक विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे की महिला बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी ताई जु यिंग ने खेल से संन्यास ले लिया है जिसके साथ उनके शानदार करियर का अंत हो गया है, जिसमें उन्होंने 17 क्क्ष्ज्ञ्स्न विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं। अपनी कलात्मकता और कलाई के जादू के लिए मशहूर 31 वर्षीय शटलर ने कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें संन्यास का फैसला करना पड़ा। उन्होंने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ खिताब 2024 में इंडिया ओपन में जीता था। ताई जु ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'एक खूबसूरत अध्याय समाप्त हो गया है। बैडमिंटन, आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आभार। उन्होंने कहा, 'आखिरकार मेरी चोटों ने मुझे कोर्ट छोड़ने पर मजबूर कर दिया। मैं अपने करियर का अंत उस तरह नहीं कर पाई जैसा मैंने सोचा था और मुझे यह बात स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा। दक्षिणी ताइवान के शहर काऊशुंग में जन्मी ताई जु पिछले साल से चोटों से जूझ रही थी और अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर वापसी नहीं कर

पाई। विश्व चैंपियनशिप दो बार की पदक विजेता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान कुछ समय शांति के साथ बिताने पर है। उन्होंने लिखा, 'मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं आगे क्या करूंगी, लेकिन फिलहाल मैं अलार्म घड़ियों के बिना जीवन का आनंद लेने जा रही हूं। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ताई जु को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक मार्मिक संदेश लिखा। सिंधू ने कहा, 'पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक आप मेरी ऐसी प्रतिद्वंद्वी रही जिन्होंने मुझे हर बार मेरी सीमा तक धकेला। मेरे जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण पदक रियो 2016 ओलंपिक में रजत और 2019 विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण मैंने आपके साथ उन मैराथन और सांस थाम देने वाले मुकाबलों के बाद हासिल किए। उन्होंने कहा, 'रियो में हमारे बीच प्री-क्वार्टर फाइनल में मुकाबला हुआ था और बासेल में क्वार्टर फाइनल में। इन दोनों अवसरों पर मुझे हमेशा की तरह कड़ी मेहनत करनी पड़ी। और हां, आपने 2021 में मुझे सेमीफाइनल में हरा दिया था और यही नहीं मुझे एशियाई खेलों में मुझे स्वर्ण पदक जीतने से रोक दिया था। इन पलों को याद करके मैं आज भी मुस्कुरा जाती हूं।

सिंधू ने लिखा, 'मैं इस बात नहीं छिपाऊंगी, मुझे आपके साथ खेलना बिल्कुल पसंद नहीं था। आपकी कलाई की कला, आपका चालाकी भरा खेल, आपकी शांत प्रतिभा ने मुझे उससे भी ज़्यादा गहराई तक जाने के लिए प्रेरित किया, जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। आपका सामना करने से एक खिलाड़ी के रूप में मैं बदल गई। भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन प्रतिद्वंद्विता से परे हमारे बीच अच्छी दोस्ती और एक दूसरे के प्रति सम्मान था। आपके संन्यास लेने से ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने सफर का एक हिस्सा को दिया हो। खेल को और मुझे आपके जादू की कमी खलेगी। मुझे अब यह एहसास होने लगा है कि मेरी पीढ़ी के खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल को अलविदा कहने लगे हैं और कोई भी चीज आपको इसके लिए तैयार नहीं करती।

अनुष्का शर्मा से शादी के बाद बदल गए कोहली !

मोहम्मद कैफ बोले- अब विराट पहले से ज्यादा शांत दिखते हैं...

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के जरिए इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की. कोहली ऑस्ट्रेलिया टूर पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 74 रन बनाए. ये सभी रन उन्होंने सिडनी में हुए वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में बनाए थे. उससे पहले कोहली लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए थे. अब कोहली साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आ सकते हैं, जिसका शुरुआती मुकाबला 30 नवंबर को रांची में निर्धारित है. विराट कोहली को लेकर अब टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बड़ा बयान दिया है. कैफ ने कहा है कि शादी के बाद विराट कोहली की सोच और स्वभाव में काफी सकारात्मक बदलाव आया है. कैफ के अनुसार अनुष्का शर्मा से शादी के बाद कोहली पहले से ज्यादा शांत, परिपक्व और संतुलित हो गए हैं. कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए कोहली को लेकर ये बातें कहीं. मोहम्मद कैफ ने कहा, विराट कोहली अब थोड़े शांत हो गए हैं. वह एक पिता हैं. शादी से पहले और शादी के बाद, दोनों में बहुत अंतर है. मैं उनसे पंजाब किंग्स के खिलाफ एक आईपीएल मैच के दौरान मिला था. उन्होंने उस मैच में कगिसो रबाडा की गेंद पर सामने की ओर चौका लगाया था. शायद उन्होंने अर्धशतक बनाकर मैच जिताया था. वो एक सीमिंग पिच थी. हमारी उनसे तब अच्छी बातचीत हुई थी. वह बहुत शांत थे. उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैंने शुरुआत में रबाडा पर अटैक नहीं किया होता, तो वह मुझे खेलने नहीं देता.

विक्की-कैट के घर आया नन्हा राजकुमार

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में खुशियों का माहौल है। कई चर्चित सेलेब्रिटीज माता-पिता बनने की राह पर हैं। इनमें सबसे ताजा खुशखबरी अभिनेत्री कैटरीना कैफ और उनके पति विक्की कौशल के घर से आई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जोड़े ने बताया कि उनके घर नन्हें राजकुमार ने जन्म ले लिया है। वहीं, शेयर की गई तस्वीर में लिखा है, 'ढेरों प्यार और आशीर्वाद के साथ हमारे खुशियों का बंडल आ चुका है। हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं।' कैटरीना ने पिछले महीने सितंबर 2025 में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। विक्की-कैट को फैंस के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने बड़ी खुशखबरी के लिए बधाई दीं।

कई अभिनेत्रियों ने दी बधाई

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, गुनीत मोंगा, प्रियंका चोपड़ा, माधुरी दीक्षित, सोनम कपूर समेत फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने विक्की कौशल और कैटरीना कैफ को शुभकामनाएं दीं। बता दें कि कैटरीना कैफ और विक्की कौशल के बाद अब लिस्ट में और भी सितारे हैं, जिनके घर

अब इन सेलेब्स के घर जल्द गूंजेगी किलकारी

नन्हे मेहमान का आगमन होने वाला है। इसी कड़ी में अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा भी अपने पहले बच्चे का इंतजार कर रहे हैं। इस जोड़े ने जुलाई 2025 में सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वे जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं।

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया भी इस लिस्ट में शामिल हैं। 'देवों के देव महादेव' फेम सोनारिका ने सितंबर 2025 में मैटरनिटी फोटोशूट कराते हुए अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी साझा की थी। यह उनका पहला बच्चा होगा।

अंकिता लोखंडे के पति

विक्की जैन ने किया फिल्म 'हक' से डेब्यू

➢ पत्नी बोलीं- मत भूलना शुरुआत कहां से की थीअंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने किया फिल्म 'हक' से डेब्यू, पत्नी बोलीं- मत भूलना शुरुआत कहां से की थी

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म हक से बतौर एसोसिएट प्रोड्यूसर डेब्यू किया है। इस मौके पर अभिनेत्री ने पति की तारीफ की। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'प्रिय पति, आज वो दिन आ गया है, जब आपकी फिल्म हक सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपका नया सफर शुरू हो गया है और मुझे आप पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मैं खुद को खुशकिस्मत समझती हूं कि मैं आपकी जिंदगी का हिस्सा हूं और इस खास पल को देख पा रही हूं।' अभिनेत्री ने विक्की के सफर को याद करते हुए लिखा, 'बिलासपुर से लेकर मुंबई तक आपका सफर रहा है और आपने ये सब कुछ अपनी मेहनत, विश्वास और लगन से हासिल किया है। मुझे यकीन है कि आपको ये सब कुछ एक सपने को सच करने जैसा लग रहा होगा, क्योंकि यह सब आपकी मेहनत और आत्मविश्वास का नतीजा है। आप जितना भी आगे बढ़ो, हमेशा याद रखो कि आपने शुरुआत कहां से की थी और हमेशा जमीन से जुड़े रहो, नम्र रहो और उन लोगों को कभी मत भूलो, जिन्होंने आपका साथ तब दिया, जब आपके पास कुछ भी नहीं था।

अंकिता लोखंडे ने आगे लिखा कि मैं हमेशा आपके साथ हूं। पूरे दिल से और हर कदम में आपका साथ निभाऊंगी। उन्होंने लिखा, 'आज मैं खुद को सबसे गर्वित पत्नी महसूस कर रही हूं।' अभिनेत्री ने फिल्म मेकर को धन्यवाद देते हुए लिखा, 'संदीप सिंह, आपने अब तक हमारे लिए जो कुछ भी किया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आप हमेशा परिवार जैसे रहे हैं और आपने यह हर तरह से साबित किया है। आप सच में हमारे लिए भगवान द्वारा भेजे गए इंसान हैं और हम आपको दिल से प्यार करते हैं। ' इसी के साथ विशाल गुरनानी और जूही पारेख मेहता को फिल्म के हिट की बधाई देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'आप दोनों को दिल से बधाई और मुझे यकीन है कि फिल्म हक सुपरहिट साबित होगी। आपने फिल्म में शानदार काम किया है। मुझे भरोसा है कि जब पूरा देश फिल्म देखेगा, तो वह भी आप पर गर्व महसूस करेगा। अभिनेत्री ने फिल्म के कलाकार यामी गौतम और इमरान हाशमी के अभिनय की तारीफ करते हुए लिखा, 'यामी गौतम, आपने क्या शानदार एक्टिंग की है। आपने फिर से साबित कर दिया कि सच्चा टैलेंट और मेहनत कहीं भी चमक सकती है। हम सब आप पर बहुत गर्व करते हैं और इमरान हाशमी! आपके लिए तो मेरे पास शब्द ही कम पड़ जाते हैं।

एक-दूजे से जुदा हो रहे

हुनर हाली-मयंक गांधी

● शुरू हुई तलाक की कार्यवाही, पैपराजी से मुंह छुपाते नजर आए एक्टर

टीवी के पॉपुलर कपल हुनर हाली और मयंक गांधी अपनी शादी के नौ साल बाद एक-दूजे से तलाक ले रहे हैं। कथित तौर पर से तलाक की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। हुनर हाली और मयंक गांधी तलाक ले रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों के तलाक की कार्यवाही आज से शुरू हो चुकी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों एक्टर्स कोर्ट के बाहर नजर आए।

वायरल वीडियो

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें हुनर हाली और मयंक गांधी एक कोर्ट के बाहर नजर आ रहे हैं। हालांकि, अभी दोनों की ओर से तलाक की कार्यवाही को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

लेकिन कोर्ट के इस वीडियो के सामने आने से उनकी तलाक की अफवाहें सच साबित हो रही हैं। जहां एक ओर हुनर एक वकील से बात करने के बाद कोर्ट के अंदर जाती दिखीं। वहीं कोर्ट से बाहर आते वक्त मयंक पैपराजी को देखते ही अपना मुंह हाथ से छुपाने की कोशिश करते नजर आए।

हुनर और मयंक की शादी

हुनर हाली और मयंक गांधी ने 2016 में शादी की थी। इनकी शादी पारंपरिक पंजाबी तरीके से दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में स्थित पहाड़ी वाले गुरुद्वारे में हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हुनर और मयंक की पहली मुलाकार परिवार के जरिए ही हुई थी। इनकी अरेंज मैरिज थी।

फैंस का अनुमान

हुनर और मयंक दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर कपल गोल्स सेट करते नजर आए। हालांकि, पिछले काफी वक्त से दोनों साथ नजर नहीं आ रहे थे और ना सोशल मीडिया पर एक साथ तस्वीरें शेयर कर रहे थे। ऐस में फैंस ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया था कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है।

हुनर और मयंक का करियर

दरअसल, हुनर अपनी पर्सनल लाइफ में चल रही परेशानियों से ब्रेक लेना चाहती हैं। हुनर को 'पटिया बेब्स', 'कहानी घर-घर की' और 'वीर हनुमान' जैसे शोज में देखा जा चुका है। वहीं, मयंक को 'काला टीका' और 'अदालत' जैसे टीवी शोज के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म 'फतेह' के लिए सोनू सूद ने हर सीन को परफेक्ट बनाने के लिए की थी खूब मेहनत

बॉलीवुड फिल्मों और अपने सामाजिक कार्यों के लिए विख्यात एक्टर सोनू सूद बिहार में अपनी अनटाइटल फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। एक्टर को बिहार की यात्रा करते हुए देखा गया। अब उन्होंने अपनी खास फिल्म 'फतेह' की मेकिंग पोस्ट की है, जिसमें अभिनेता फिल्म के हर सीन को परफेक्ट बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते दिख रहे हैं। अभिनेता सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो को री-पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने 'फतेह' की मेकिंग वीडियो पोस्ट की है।

वीडियो में एक्टर हर सीन को परफेक्ट और रियल बनाने के लिए बारीकियों पर ध्यान दे रहे हैं। वीडियो में सोनू रेगिस्तान में एक्शन सीन फिल्मा रहे हैं, जिसमें गाड़ियों का स्टंट होना है। इसके अलावा, वे एक शख्स के साथ एक्शन करते भी दिख रहे हैं। इस वीडियो को एक्टर के फैन पेज ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में लिखा है, 'लाइट्स, कैमरा और बीटीएस। एक मास्टरपीस बनाने में क्या-क्या करना पड़ता है और कितनी मेहनत लगती है।' सोनू सूद ने फिल्म 'फतेह' में सिर्फ बतौर एक्टर काम नहीं किया बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया। इसी वजह से एक्टर की ये फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है। 'फतेह' 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडीज ने मिलकर फिल्म का जबरदस्त प्रमोशन किया था, लेकिन फिल्म बड़े पर्दे पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई।

फिल्म का बजट लगभग 30 से 40 करोड़ के बीच बताया गया, लेकिन फिल्म सिर्फ बजट निकालने में ही कामयाब रही, जिसके बाद मेकर्स ने फिल्म को दो महीने बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज कर दिया। एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'फतेह' कोविड-19 महामारी के दौरान हुए साइबर क्राइम के मुद्दों पर बनी है। फिल्म में सोनू ने पूर्व स्पेशल टास्क फोर्स अधिकारी का रोल प्ले किया है, जो गांव में शांति से अपनी जिंदगी बिता रहा है, लेकिन उनके गांव में अचानक साइबर अपराध सिंडिकेट एक्टिवेट हो जाता है और उस गैंग को पकड़ने के लिए सोनू सूद खुशी यानी जैकलीन फर्नांडीज की मदद लेते हैं।

फिल्म में जबरदस्त एक्शन और खून-खराबा देखने को मिला है। सोनू सूद फिल्मों पर फोकस करने के अलावा सामाजिक कल्याण के कार्यों से भी जुड़े रहते हैं। वे कोविड के समय से ही लगातार जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। हाल ही में पंजाब में आई भयंकर बाढ़ में हजारों घर उजाड़ दिए। एक्टर ने पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद की है।

द फैमिली मैन 3 का ट्रेलर रिलीज, इस बार श्रीकांत तिवारी के हालात पहले से ज्यादा दिखे खतरनाक

चार साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दर्शकों को खुशी मिली है। प्राइम वीडियो की सुपरहिट सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जैसे ही ट्रेलर सामने आया, सोशल मीडिया पर मनोज बाजपेयी का जादू एक बार फिर छा गया। राज और डीके के डायरेक्शन में बनी इस स्पाई थ्रिलर सीरीज का नया चैप्टर एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है। इसमें श्रीकांत तिवारी की निजी जिंदगी और उनके प्रोफेशनल संघर्षों के बीच का टकराव भी है।

ट्रेलर की शुरुआत में मनोज बाजपेयी परिवार के आगे अपने रहस्य खोलते नजर आते हैं। वह बताते हैं कि वह एक एजेंट है, लेकिन परिवार का रिएक्शन बेहद नॉर्मल होता है, जिसे देख मनोज खुद चौंक जाते हैं। ट्रेलर पूरे 2 मिनट 49 सेकंड का है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत तिवारी की जिंदगी में तनाव बढ़ता दिखाई देता है। माहौल गंभीर और रहस्यमय होता जाता है। इस बार श्रीकांत सिर्फ आतंकवादियों या साजिशों से नहीं, बल्कि अपनी ही एजेंसी से भागते नजर आते हैं। इस सीजन में हालात बदल चुके हैं। ट्रेलर में कई दमदार एक्शन सीक्वेंस हैं। नए सीजन में दो नए और बेहद ताकतवर दुश्मनों की एंट्री हुई है, जिनमें जयदीप अहलावत और निमरत कौर का नाम शामिल है। ट्रेलर में दोनों ही किरदारों की झलक बेहद प्रभावशाली है। जयदीप अहलावत की दमदार आवाज और डायलॉग्स उन्हें एक रहस्यमय और खतरनाक विलेन बनाते हैं।

अपने बच्चों को लेकर क्यों चिंतित हैं करण जौहर?

दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। वो पर्सनल लाइफ से लेकर खुद को लेकर होने वाली ट्रोलिंग तक पर हमेशा बेबाकी से जवाब देते हैं। अब एक बार फिर करण जौहर ने अपने बचपन और उस वक्त को याद किया, जब उनका वजन ज्यादा था। साथ ही उन्होंने अब अपने बच्चों के बढ़ते वजन को लेकर भी चिंता जाहिर की है। निर्देशक ने बताया कि आखिर क्यों सोशल मीडिया के दौर में आपको छोटी से छोटी चीजों का भी ध्यान रखना पड़ता है।

आजकल बच्चे स्कूल में स्टाइलिश न दिखने और फॉलोअर्स को लेकर चिंतित

सानिया मिर्जा के साथ उनके पॉडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' में बातचीत के दौरान करण ने अपने बचपन और अपने बच्चों के समय को लेकर बात की। करण ने कहा कि बचपन में उनके साथ हुई चीजों ने उन्हें अपने बच्चों के बढ़ते वजन को लेकर चिंतित कर दिया है। सोशल मीडिया के मौजूदा दौर पर चर्चा करते हुए करण ने बताया कि कैसे स्कूल में बच्चे अब आकर्षक न दिखने या उनके पर्याप्त फॉलोअर्स न होने को लेकर चिंतित हैं। अपने बचपन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक प्लस-साइज बच्चे थे, फिर भी उन्हें खुश रहने की इजाजत थी। लेकिन अब उन्हें उन बच्चों की चिंता है जो आज शारीरिक रूप से अलग हैं।

मैं अब तक बचपन के ट्रॉमा से नहीं निकला

बातचीत के दौरान जब करण से पूछा गया कि क्या उनके बच्चे इन दबावों को झेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं? इस पर करण ने कहा कि मेरा 50 हिस्सा मेरे बचपन से इतना आहत है कि मुझे डर लगता है कि मेरे बच्चे वजन बढ़ा लेंगे। मैं बचपन के ट्रॉमा को ढो रहा हूं। मैं उनसे कहता रहता हूं कि चीनी मत खाओ। लेकिन मेरा एक हिस्सा उन्हें इससे आजाद करना चाहता है। अगर वे स्कूल में बहुत ज्यादा क्लास होने की वजह से फुटबॉल की क्लास मिस कर देते हैं या छोड़ देते हैं, तो मुझे गुस्सा आता है।

खुद के साथ हुई बॉडी शेमिंग पर भड़कीं अभिनेत्री गौरी किशन

अभिनेत्री गौरी जी किशन के साथ हुई बॉडी शेमिंग की घटना पर अब इंडस्ट्री की ओर से उन्हें काफी समर्थन मिल रहा है। तमिल फिल्म 'अदर्स' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेत्री गौरी किशन के साथ हुई घटना ने साउथ इंडस्ट्री में पत्रकारिता के स्तर और महिला कलाकारों के सम्मान पर बड़ी बहस छेड़ दी है। कार्यक्रम में एक पत्रकार ने गौरी के को-स्टार आदित्य माधवन से उनके वजन को लेकर सवाल किया, जिस पर अभिनेत्री ने वहीं सबके सामने सख्त प्रतिक्रिया दी। गौरी के इस रिएक्शन के बाद अब उन्हें इंडस्ट्री की ओर से सपोर्ट भी मिल रहा है।

'मेरे वजन से आपको क्या मतलब?'

दरअसल फिल्म की प्रेस मीट के दौरान जब एक पत्रकार ने आदित्य से पूछा कि उन्होंने फिल्म के एक सीन में गौरी को उठाते वक्त कितनी दिक्कत हुई, तो गौरी किशन ने तुरंत बीच में टोकते हुए कहा- 'आपको मेरे वजन से क्या मतलब? यह सवाल मेरी एक्टिंग या फिल्म से जुड़ा नहीं है।' उनकी इस प्रतिक्रिया ने वहां मौजूद सभी को चौंका दिया। गौरी ने बताया कि उस वक्त वहां ज्यादातर पुरुष पत्रकार मौजूद थे और जब उन्होंने सवाल उठाया तो उन्हें चुप रहने की सलाह दी गई। उन्होंने इस इंसीडेंट के बारे में बात करते हुए बाद में कहा- 'मैं वहां अकेली महिला थी। मुझे चुप कराने की कोशिश की गई, जबकि सवाल मेरे सम्मान पर था। हर महिला का शरीर अलग होता है, लेकिन किसी की कद-काठी उसके टैलेंट को परिभाषित नहीं करती।'

साभार एजेंसी